page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/6/2025 12:37 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 देशव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान 4.0 का शुभारंभ

5 सूर्यकुमार यादव ने एबी डिविलियर्स से मांगी मदद, करियर बचाने की लगाई गुहार

8 भारत में कृषि शिक्षा और प्रशिक्षण- विकसित भारत की नई जड़ें

मौसम जम्मू — न्यूनतम 14 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-272 | जम्मू तवी, वीरवार 06 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू-कश्मीर की शांति और प्रगति की नई यात्रा अनगिनत बलिदानियों और संतों के शाश्वत ज्ञान पर आधारित : उपराज्यपाल

श्रीनगर, 5 नवंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में शांति, लोग और संभावनाएँ विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया। यह संगोष्ठी विश्वग्राम द्वारा आयोजित की गई थी, जो एक गैर-लाभकारी संगठन है जो पूरे भारत में शिक्षा, करुणा, कला और सेवा को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने एक उभरते हुए जम्मू-कश्मीर के नए दृष्टिकोण के बारे में बात की, जो शांतिपूर्ण, भयमुक्त, समृद्ध और एकजुट हो और जिसका प्रत्येक नागरिक सशक्त हो और भारत की तीव्र प्रगति से प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को आज जहाँ वह है, वहाँ पहुँचाने के लिए पिछले 5 वर्षों में बहुत बड़े बलिदान दिए गए हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर में दिखाई देने वाली शांति ने सभी को परस्पर सम्मान के साथ फलने-फूलने का अवसर दिया है और सभी को सम्मानजनक जीवन जीने का समान अवसर मिल रहा है। शांति का प्रभाव, बेहतर कल के लिए लोगों के प्रयास और बिना किसी भेदभाव के सभी के

लिए अपार संभावनाओं को देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने सर्वोपरि, सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों का पालन किया है, जिसने लोगों के जीवन और राष्ट्र के इस मुकुटमणि, दोनों को बदल दिया है। उपराज्यपाल ने आतंकवादी तंत्र को ध्वस्त करने के दृढ़ संकल्प पर भी प्रकाश डाला और शांति, न्याय और समानता बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा हम सामाजिक-आर्थिक विकास को मजबूत करने और अपने युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि पाँच वर्षों के भीतर, हमारे बहादुर बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाया है जहाँ गोलियों और हथगोले की आवाज़ की जगह रागों और नए उत्साह की ध्वनि ने ले ली है। उपराज्यपाल ने कहा कि हमने एक ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाया है जहाँ स्कूलों की दीवारें पत्थरों की टक्कर से नहीं, बल्कि बच्चों की हँसी नवाचार और शिक्षा से गूँज रही हैं। हमने एक ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाया है, जहाँ पुलवामा, शोपियाँ और कुलगाम जैसे कस्बे, जो कभी सन्नाटे में डूबे रहते थे, युवाओं के सांस्कृतिक और साहित्यिक केंद्रों में तब्दील हो गए हैं। लाल चौक और पोलो व्यू जैसे बाज़ार अब वीरान नहीं रहे, बल्कि नई रौनक से जगमगा रहे हैं। हमने एक ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाया है, जिसमें वितस्ता की लहरों पर नई आकांक्षाएँ तैर रही हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग शांति की धड़कन हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से शांति भंग करने की कोशिश करने वाले तत्वों के खिलाफ एकजुट होकर काम करने और नशीली दवाओं की लत और युवाओं के कट्टरपंथ के खतरों का मुकाबला करने का आह्वान किया।

सतगुरू नानक परगटेया मिटी धुंध जग चानन होआः श्री गुरू नानक देव के प्रकाशोत्सव के अवसर पर गांधी नगर स्थित गुरूद्वारा में मोमबत्तियां जलाती सिख संगत। छायाः सुरजीत

बिहार के राज्यपाल आरिफ खान ने कश्मीर को भारत का मुकुट और शिक्षा एवं ज्ञान का एक शाश्वत केंद्र बताया

श्रीनगर, 5 नवंबर। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को कश्मीर को भारत का मुकुट और शिक्षा एवं ज्ञान का एक शाश्वत केंद्र बताया।

शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राज्यपाल आरिफ खान ने संवाददाताओं से कहा कि कश्मीर उनके दिल में एक विशेष स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि मैं यह किसी को खुश करने या औपचारिक तौर पर नहीं कह रहा हूँ। जब मैं कहता हूँ कि कश्मीर हमारे देश का मुकुट है तो मेरा यही मतलब होता है। उन्होंने कहा कि हमारे संस्कृत संस्थानों में डिग्री प्राप्त करने से पहले छात्रों को प्रतीकात्मक रूप से कश्मीर की ओर कुछ कदम चलने के लिए कहा जाता है। यह ज्ञान, बुद्धि और सीखने की इस भूमि के प्रति सम्मान का भाव है। उनकी टिप्पणियों ने अपनी सांस्कृतिक और भावनात्मक गहराई से ध्यान आकर्षित किया जिसमें भारत के बौद्धिक और आध्यात्मिक इतिहास में कश्मीर की भूमिका पर ज़ोर दिया गया। खान के बयान ने श्रोताओं को प्रभावित किया जिसमें कश्मीर को न केवल एक भौगोलिक रत्न के रूप में बल्कि भारत की शिक्षा और ज्ञान की प्राचीन खोज के प्रतीक के रूप में भी प्रस्तुत किया गया।

बिहार विस चुनाव - अमित शाह ने चुनावी रुख किया साफ, बोले- वोट जाति-धर्म नहीं, देश पर डालिए

पटना, 05 नवम्बर । बिहार के चुनावी मैदान में इस बार न जाति की गूंज है, न परिवार की राजनीति की गंध-बल्कि राष्ट्र की पुकार सुनाई दे रही है। प्रथम चरण के मतदान से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संदेशों से हवा का रुख साफ कर दिया है कि वोट धर्म पर नहीं, देश पर डालिए, समाज पर नहीं, सुरक्षा पर डालिए। जहां विपक्ष अब भी जातीय गणित में उलझा है,वहीं अमित शाह का फोकस एक ही सूत्र पर है भारत पहले, बाकी सब बाद में।

विधानसभा चुनाव 2025 बिहार के भविष्य की दिशा तय करेगा। क्या बिहार फिर पुराने जातीय जाल में उलझेगा या शाह के राष्ट्रवादी संदेश को आगे बढ़ाएगा? जो भी हो, इस बार अमित शाह ने बिहार को एक नया विमर्श दे दिया है- जात नहीं, राष्ट्र ही पहचान है।

राम मंदिर बन चुका, अब राष्ट्र निर्माण की बारी हैअमित शाह ने पिछले कुछ दिनों में बिहार की राजनीति की दिशा मोड़ दी है। उन्होंने बार-बार कहा कि जो लोग जाति के नाम पर वोट मांगते हैं, वे बिहार को 30 साल पीछे ले गए। अब बिहार को सुरक्षा, विकास और सम्मान की राजनीति चाहिए। शाह की सभाओं में एक बात आम हो गई है- राम मंदिर बन चुका, अब राष्ट्र निर्माण की बारी है। लोगों

की भीड़ इस नारे पर तालियां बजा रही है। उनके भाषणों में न कोई कटाक्ष है, न जातीय तंज, बल्कि एक सीधी अपील है कि भारत माता के बेटे-बेटियों से।

सीता की धरती से उठे राष्ट्रवाद के स्वर सीतामढ़ी, बेतिया और भागलपुर के सभास्थलों पर शाह की रैली ने नई ऊर्जा भर दी। उन्होंने कहा कि यह माता सीता की धरती है। यहां से कोई धर्म, जात या क्षेत्र नहीं पूछता। यहां तो हर भक्त मां सीता का आशीर्वाद लेकर भारत की एकता की शपथ लेता है। उनका यह संवाद केवल चुनावी भाषण नहीं, बल्कि एक राष्ट्र चेतना का संदेश है। सीतामढ़ी से लेकर कैमूर तक, शाह का यह राष्ट्रवादी एजेंडा जाति की दीवारें तोड़ता दिख रहा है। मतदाताओं में बदलाव की लहर ग्रामीण इलाकों में अब यह चर्चा आम है कि कौन यादव, कौन कुशवाहा, कौन ब्राह्मण-अब सब हिन्दू हैं, सब भारतीय हैं। युवा मतदाताओं में यह सोच गहराई से बैठ रही है कि जातीय राजनीति अब पुरानी बात है। शाह का संदेश- हम एक धर्म, एक झंडा, एक भारत के नागरिक हैं। यह लोगों के मन में उतर रहा है। बक्सर के युवा अमन तिवारी कहते हैं कि पहले हम जात देखकर वोट करते थे, अब देश देखकर करेंगे। अगर सीमा सुरक्षित है तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित है। वोट उस भारत के लिए दीजिए, जो मजबूत खड़ा रहे अमित शाह का यह चुनावी मंत्र अब बिहार के जनमानस में गूंज रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और गठबंधन की राजनीति हमेशा विभाजन करती है। हम एकता का संदेश लेकर आए हैं। जाति से ऊपर उठकर सोचिए, वोट दीजिए उस भारत के लिए जो आतंक पर चोट करे, अर्थव्यवस्था को मजबूती दे और हर हिन्दू को सुरक्षा का भरोसा दे। बिहार के मतदाता इतिहास रचने को तैयार प्रथम चरण के मतदान से यह स्पष्ट हो गया है कि इस बार मुद्दे जातीय समीकरण नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, हिंदू एकता और विकास हैं। शाह के नेतृत्व में एनडीए ने बिहारी अस्मिता को भारतीय राष्ट्रवाद से जोड़ दिया है। गया के बुजुर्ग मतदाता शिवशंकर चौधरी कहते हैं कि पहले जात के नेता आते थे, अब देश के नेता आ रहे हैं।

आतंकियों से मुठभेड़ में सेना का जवान घायल, अभियान जारी

किश्तवाड़, 5 नवंबर । किश्तवाड़ जिले के छत्रू सब-डिवीजन के अंतर्गत नायदगाम के कलाबन वन क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ जारी मुठभेड़ के दौरान बुधवार को सेना का एक जवान घायल हो गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान एक जवान घायल हो गया और जवान को अस्पताल ले जाया गया है। क्षेत्र में सुरक्षाबलों का अभियान अभी जारी है। इससे पहले एक्स पर एक पोस्ट में व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने लिखा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त रूप से चलाए गए एक खुफिया-आधारित अभियान में व्हाइट नाइट कॉर्प्स के सतर्क सैनिकों ने छत्रू के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों को घेरा। जिसके बाद आतंकवादियों के साथ गोलीबारी शुरू हुई है जो अभी जारी है।

पुंछ में तलाशी अभियान शुरू

जम्मू, 5 नवंबर । सुरक्षाबलों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले के सीमावर्ती इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों के बाद तलाशी अभियान शुरू किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बालाकोट-मेंढर सीमावर्ती इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी), सेना और सीआरपीएफ ने यह अभियान शुरू किया। सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं और स्थानीय लोगों से अपने इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों की कोई भी जानकारी साझा करने का आग्रह किया गया है।

बिजली गिरने से लगभग 40 भेड़-बकरियों की मौत

पुंछ, 5 नवंबर। पुंछ के सोलियां के पास संगर ढोके इलाके में बिजली गिरने से लगभग 40 भेड़-बकरियों की मौत हो गई।

अधिकारियों ने यह जानकारी बुधवार को दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार देर रात हुई जिससे बकरवाल समुदाय के हादी बारी बैक निवासी खालिद हुसैन को काफी नुकसान हुआ। घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

वहीद पारा ने सोशल मीडिया निगरानी नीति की बहाली पर सरकार पर सवाल उठाए

श्रीनगर, 5 नवंबर । पीडीपी नेता और विधायक वहीद उर रहमान पारा ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार का सोशल मीडिया निगरानी आदेश फिर से लागू करने का फ़ैसला हाल के चुनावों के उद्देश्य के ख़िलाफ़ है।

एक्स पर एक पोस्ट में पारा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने चुप्पी और डर को खत्म करने के लिए वोट दिया है न कि अभिव्यक्ति पर नए प्रतिबंधों का सामना करने के लिए। उन्होंने कहा कि केवल जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया गतिविधियों पर नज़र रखने के फैसले ने निष्पक्षता और मंशा पर सवाल खड़े किए हैं।

लोगों ने सम्मान और बोलने की आज़ादी के लिए वोट दिया। फिर भी

ऑनलाइन गतिविधियों पर नज़र रखने और उन्हें सीमित करने के लिए नए निर्देश जारी किए गए हैं और देश के किसी अन्य हिस्से में ऐसे आदेश लागू नहीं किए जा रहे हैं पारा ने लिखा।

उन्होंने मुख्यमंत्री से सरकार की स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध किया और बताया कि मुख्यमंत्री के पास सूचना विभाग का प्रभार भी है। उन्होंने कहा कि यह जानना ज़रूरी है कि मुख्यमंत्री इन नए उपायों के बारे में क्या सोचते हैं।

पारा ने कहा कि प्रशासनिक निर्देशों के तहत सतर्कता और निगरानी का इस्तेमाल पत्रकारों पर अंकुश लगाने और आवाज़ दबाने के हथियार के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाइयाँ खुले शासन और उस विश्वास के विरुद्ध हैं जिसे चुनावों के ज़रिए बहाल किया जाना चाहिए।

शासन में खुलेपन का आह्वान करते हुए पारा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पारदर्शिता और जवाबदेही की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि चुनाव लोगों में विश्वास बहाल करने के लिए हैं न कि चुप्पी का एक और रूप पैदा करने के लिए।

पीएम मोदी ने विश्व चैम्पियन महिला टीम को किया सम्मानित, प्रतीका रावल व्हील चेयर पर पहुंचीं

नयी दिल्ली, 05 नवंबर । एकदिवसीय विश्वकप विजेता भारतीय महिला टीम ने बुधवार को आज यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

आज यहां भारतीय टीम प्रधानमंत्री आवास सात लोक कल्याण मार्ग पहुंची। भारतीय महिला क्रिकेट टीम सम्मान समारोह के लिए अपनी ऑफिशियल फॉर्मल ड्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर पहुंची और बहुत एलिगेंट लग रही थी। बीसीसीआई के लोगो वाले मैचिंग नेवी-ब्लू ब्लेजर और क्रीम ट्राउजर पहने हुए, खिलाड़ियों ने गर्व और प्रोफेशनलिज्म की एक शानदार तस्वीर पेश की। भारतीय टीम के साथ बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और कोच अमोल मजूमदार

भी नजर आए। बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल होने वाली प्रतिका रावल व्हीलचेयर पर दिखीं।

विश्व चैंपियन बनी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। मंगलवार को विशेष विमान से इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर पहुंची भारतीय टीम का भव्य स्वागत किया गया। भारतीय टीम ताज पैलेस होटल में रूकी है। खिलाड़ियों के होटल पहुंचने पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई। जेमिमा रौड्रिग्स, राधा यादव और स्नेह राणा होटल के भीतर ढोल की थाप पर थिरकती दिखीं। इससे पहले मुख्य कोच अमोल मजूमदार के साथ टीम के सदस्यों का मुंबई हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए जाते समय सेमीफाइनल मुकाबले में चोटिल हुई सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल भी व्हील चेयर पर टीम के साथ थी। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को उनके साथ साझा किया। दो दिन पहले, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से मुलाकात के लिए औपचारिक निमंत्रण मिला था। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले कुछ समय पहले पदक विजेता खिलाड़ियों से प्रतियोगिता से पहले और उसके बाद मिलते रहे है। भारतीय टीम ने रविवार को नवी मुंबई में महिला एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार चैंपियनशिप का खिताब जीता था और उसके बाद भारतीय टीम मंगलवार को दिल्ली पहुंची।

कैदियों को जम्मू-कश्मीर स्थानांतरित करने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका का उद्देश्य उनके परिवारों की पीड़ा को कम करना है: महबूबा

श्रीनगर, 5 नवंबर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के बाहर से जम्मू-कश्मीर के कैदियों को जम्मू-कश्मीर स्थानांतरित करने के लिए उच्च न्यायालय में उनकी याचिका का उद्देश्य उनके परिवारों की पीड़ा को कम करना है।

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए महबूबा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से खासकर 2019 के बाद सरकार को पत्र लिखने के बावजूद सरकार ने ऐसे कैदियों की संख्या के सटीक आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं जबकि 3,000-3,500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें जम्मू-कश्मीर के बाहर की जेलों में रखा गया है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार पीड़ित हैं और कई परिवारों को कानूनी लड़ाई के लिए अपनी संपत्तियां बेचनी पड़ी हैं। सोमवार को महबूबा जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के समक्ष पेश हुईं और उन्होंने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए केंद्र शासित प्रदेश के सभी विचाराधीन कैदियों को स्थानांतरित करने का आग्रह किया जो वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के बाहर की जेलों में बंद हैं। अपनी जनहित याचिका (पीआईएल) में पूर्व मुख्यमंत्री ने अदालत से आग्रह किया कि इन कैदियों को जम्मू-कश्मीर वापस लाया जाए जब तक कि अधिकारी केंद्र शासित प्रदेश के बाहर उनकी निरंतर नज़रबंदी को उचित ठहराने के लिए विशिष्ट लिखित कारण न बताएँ। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कई अन्य लोगों के पास वहाँ जाने के लिए भी पैसे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि (जम्मू-कश्मीर में) सरकार बनने के बाद सरकार इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठाएगी और उन्हें कानूनी सहायता प्रदान करेगा। जम्मू-कश्मीर राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने कहा कि अधिकांश कैदी विचाराधीन हैं और उनके खिलाफ अभी तक अपराध सिद्ध नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल (सुनवाई की तारीखों में) स्थगन मिल रहा है और यह प्रक्रिया बहुत लंबी है। हम उनकी स्थिति नहीं जानते क्योंकि उनके परिवार उन्हें अदालतों में लाए जाने पर अदालती स्क्रीन पर केवल दस सेकंड के लिए ही देख पाते हैं।

गांदरबल में 802 दिहाड़ी मजदूरों के नियमितीकरण की मांग वाली याचिकाएँ हाईकोर्ट ने की खारिज

श्रीनगर, 5 नवंबर । जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने दो संयुक्त याचिकाओं को खारिज कर दिया है। मध्य कश्मीर के गांदरबल ज़िले के 802 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने 2017 के एसआरओ 520 के तहत अपनी सेवाओं के नियमितीकरण की मांग की थी। उन्होंने कहा कि 2015 में नई नियुक्तियों पर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध से पहले दावेदारों की नियुक्ति नहीं दिखाई गई थी।

न्यायमूर्ति जावेद इकबाल वानी द्वारा दिया गया यह फैसला संख्या 1415/2023 और संख्या 411/2024, जिसका शीर्षक नज़ीर अहमद भट और अन्य बनाम केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और अन्य था में आया। याचिकाकर्ताओं ने विद्युत विकास विभाग के उप-संचरण प्रभाग (एसटीडी), गांदरबल में दैनिक वेतनभोगी के रूप में लंबे समय तक सेवा करने का दावा करते हुए नियमितीकरण के लिए आधिकारिक रिकॉर्ड में अपने नाम शामिल करने के निर्देश मांगे थे।

हालांकि सरकारी वकील ने दलील दी कि कर्मचारियों के प्रमाण पत्र भर्ती प्रतिबंध के बाद तैयार किए गए थे इसलिए उनके नाम विचार के लिए नहीं भेजे गए। प्रशासन ने अधीक्षण अभियंता ओ एंड एम सर्कल गांदरबल की अध्यक्षता वाली एक समिति की जाँच रिपोर्ट पेश की जिसमें पाया गया कि याचिकाकर्ताओं सहित 128 लोग आधिकारिक मस्टर रोल में मौजूद नहीं थे और प्रतिबंध के बाद उनके रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई थी।

ज़ोजिला और सोनमर्ग में भारी बर्फबारी के बाद श्रीनगर-लेह राजमार्ग बंद

गंदरबल, 5 नवंबर मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले के ऊँचाई वाले इलाकों खासकर ज़ोजिला, सोनमर्ग, मिनीमर्ग और अन्य जगहों पर ताज़ा बर्फबारी के बाद श्रीनगर-लेह राजमार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6 बजे स्वास्थ्य रिसॉर्ट क्षेत्रों में बर्फबारी शुरू हुई जिससे तापमान में भारी गिरावट आई और सड़कें फिसलन भरी हो गईं। अधिकारियों ने दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर तुरंत वाहनों का आवागमन रोक दिया।

यातायात पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजमार्ग बंद होने के बाद कई वाहन राजमार्ग के दोनों ओर फँस गए। एक अधिकारी ने कहा कि ज़ोजिला में लगभग नौ इंच और सोनमर्ग में लगभग पाँच इंच बर्फबारी दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने पहले जम्मू-कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी का अनुमान लगाया था और बुधवार को पूरे क्षेत्र में हुई बर्फबारी के साथ यह अनुमान सच साबित हुआ।

इस बीच अधिकारियों ने यात्रियों को सलाह दी है कि जब तक राजमार्ग साफ़ नहीं हो जाता और इसे यात्रा के लिए सुरक्षित नहीं माना जाता तब तक वे इस मार्ग पर यात्रा न करें।

व्यस्त रहो खुश रहो

अगर आप कामकाजी हैं तो तय है कि आप पर काम का बोझ भी ज्यादा होगा। अपने काम के इस बोझ को खुद पर हावी न होने दें। अपने व्यवहार में हल्का-सा बदलाव लाकर न सिर्फ आप खुश रहकर ऑफिस में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती हैं, बल्कि अपने रिश्तों को भी पहले की तुलना में बेहतर तरीके से सहेज और संवार सकती हैं।

कार्यस्थल हो या घर, यदि आप अपने काम से खुश नहीं हैं तो इसका प्रभाव आपके काम पर पड़ता है। यह संभव है कि आपके आसपास का माहौल तनाव और चिंता उत्पन्न करने वाला हो, पर यह भी सही है कि जटिल परिस्थितियों का सामना करने के लिए स्वस्थ मस्तिष्क और शरीर की जरूरत होती है। अस्वस्थ जीवनशैली और कार्यस्थल का तनाव आपके लिए गंभीर परिणाम देने वाला साबित हो सकता है। तन को स्वस्थ रखने के लिए जहां अच्छा खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली होना जरूरी है, वहीं स्वस्थ मस्तिष्क और असरदार काम के लिए सकारात्मक सोच का होना जरूरी है।

व्यस्त रहना यानी संबंधों को मधुर बनाना

जर्नल ऑफ फैमिली साइकोलॉजी के अनुसार कार्यस्थल पर जिम्मेदारी वाले काम करते हुए व्यस्त रहने वाली महिलाएं अपनी शादी से अधिक खुश रहती हैं। चार साल तक किए गए इस अध्ययन में 169 जोडे शामिल किए गए। यह सर्वे उन महिलाओं के लिए हैरतभरा हो सकता है, जो निजी जीवन और काम की व्यस्तता के बीच खुद को हर समय तनावग्रस्त महसूस करती हैं। आमतौर पर माना भी यह जाता है कि कार्यस्थल पर व्यस्त रहने वाली महिलाओं की शादीशुदा जिंदगी में खुशियां कम होती जाती हैं। शोध में कार्यस्थल पर काम और पति के साथ संबंधों का अध्ययन किया गया है। इस नतीजे के संभावित कारण इस प्रकार हो सकते हैं..

करियर में सफल होना आत्मविश्वास को बढ़ाता है। कार्यस्थल पर व्यस्त रहने वाली महिलाएं अपने बारे में अच्छा महसूस करती हैं। संतुष्टि की यह भावना संबंधों पर भी सकारात्मक असर डालती है। पति-पत्नी दोनों का व्यस्त रहना दोनों के बीच समानता का संबंध उत्पन्न करता है, साथ ही घरेलू जिम्मेदारियों में आपसी सहयोग भी बढ़ाता है। एक-दूसरे के लिए समय कम मिलने की विवशता को समझते हुए पति-पत्नी, एक-दूसरे के साथ अधिक से अधिक क्वालिटी समय बिताने की कोशिश करते हैं।

कार्यस्थल पर यूं रह सकती हैं खुश

अच्छा चुनाव करें- करियर के संबंध में गलत फैसले बड़े महंगे साबित होते हैं। अत- कोई भी निर्णय सोच-समझकर लें। यदि काम आपकी रुचि और एटीट्यूड के मुताबिक है तो आप उसे कम समय में या चुनौतियों के बीच भी बेहतर तरीके से कर सकेंगी। ऐसे करियर में जाना आपको तरक्की की ओर ले जाता है।

अपने एटीट्यूड को बदलें

जीवन की तरह करियर में भी काफी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। जब अच्छा हो रहा होता है, तो आपको अच्छा लगने लगता है। पर, जब चीजें विपरीत होती हैं तो निराशा और उदासीनता जन्म लेने लगती हैं। ऐसे में सकारात्मक दृष्टिकोण होना मददगार साबित होता है। ध्यान रखें कि आपके अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक एटीट्यूड बेहद अहम है।

दूसरों को दोष न दें

ऑफिस में काम समय पर पूरा नहीं होना, कभी काम में अधिक गलतियां रहना, घर के सदस्यों और ऑफिस के सहकर्मियों के साथ मतभेद होना या तरक्की न मिलना, अपने साथ कुछ भी बुरा होने का कारण दूसरों को मानने लगना हमारे दुख को और बढ़ा देता है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि आप काम और तनाव की दोहरी जिम्मेदारियां संभाल रही हैं, ऐसे में कभी-कभार कामों के अव्यवस्थित होने की गुंजाइश भी रहती है। पर यदि आप ऐसे समय में अपनी प्रतिक्रिया पर नियंत्रण करके दूसरों को दोषी नहीं ठहरातीं तो आप खुद को बड़े तनाव से बचा सकती हैं। ऐसा करने से दूसरों के साथ संबंधों में खटास भी नहीं आएगी।

हर काम के लिए खुद को दोषी न ठहराएं

जितना दूसरों को दोषी न ठहराना खुश रहने के लिए जरूरी है, उतना ही जरूरी यह भी है कि आप अपने या दूसरों के साथ होने वाली हर बात के लिए खुद को दोषी न ठहराएं। दूसरों के लिए दुखी होना या उनके प्रति सहानुभूति होना आपकी संवेदनशीलता को दिखाता है, पर यदि आप हर बात के लिए खुद को दोषी मानती हैं तो इससे दूसरों के लिए आपको कटघरे में खड़ा करना आसान हो जाता है। लगातार ऐसा होना आपमें हीनता का भाव उत्पन्न करेगा और आप दूसरों के व्यवहार से दुखी भी रहेंगी। आपके आसपास जो भी हो रहा है, इसके लिए खुद को दोषी ना ठहराएं।

क्रोध से मुक्ति

जटिल परिस्थितियों में गुस्सा आना सबसे आसान प्रतिक्रिया होती है। आक्रोश में ना आते हुए अपनी बात सही व स्पष्ट शब्दों में पहुंचाना सही होता है, पर बिना जाहिर किए लंबे समय तक अपने गुस्से को बनाए रखना आपकी ऊर्जा और उत्साह को कम कर देता है। बेहतर है कि आप खुद को और दूसरों को क्षमा करना सीखें, साथ ही उन कारणों को भूलने का प्रयास करें, जिनके कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। आप तुरंत ऊर्जावान महसूस करेंगी और काम के प्रति आपको अच्छा लगने लगेगा।

ऑनलाइन डेटिंग

जोड़ियां बनाने का नया तरीका

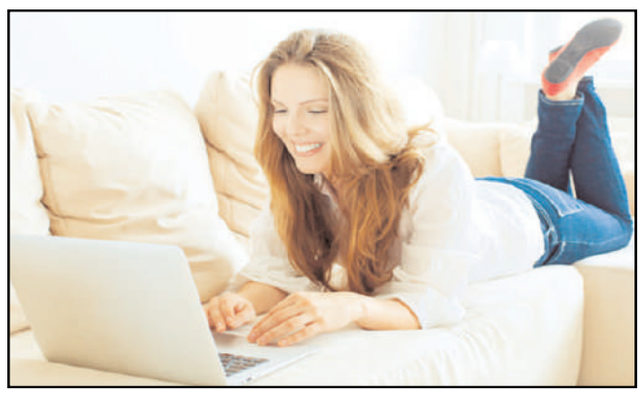

इंटरनैट की मदद से जीवन साथी की तलाश अब कोई नया मुद्दा नहीं रह गया बल्कि अधिकांश युवा एवं प्रौढ़ अकेले रह रहे लोग अपने लिए साथी की तलाश हेतु सोशल नैटवर्किंग की मदद लेने लगे हैं। चैटिंग के माध्यम से एक-दूसरे को जानने के बाद वे लोग पर्सनली मिलना चाहते हैं ताकि इस संबंध को एक प्रैक्टीकल शेप दी जा सके। अगर आप भी इंटरनैट के माध्यम से अपने प्यार की तलाश कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें...

सावधानी जरूरी

● यदि ऑनलाइन साथी की तलाश कर रही हैं तो विभिन्न सर्च इंजन की सहायता लें, साथ ही ऑनलाइन फ्रैंड से रियल लाइफ में मिलने का निर्णय लें तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपकी पहली मुलाकात के लिए वह जगह पब्लिक प्लेस हो।

● इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ऑनलाइन डेटिंग के बारे में थोड़ी-सी भी लापरवाही आपके लिए खतरा बन सकती है।

● भले ही विदेशों में यह सब काफी कॉमन हो परंतु अब अपने देश में भी ऑनलाइन डेटिंग का क्रेज कम नहीं है। बेशक ऑनलाइन डेटिंग से मनचाहा साथी भी मिल जाता है लेकिन इस आभासी दुनिया में छल करने वालों की भी कमी नहीं है।

साइट्स की पहचान

कुछ साइट्स हैं जो यह निर्णय करती हैं कि आप किससे मिलें जबकि कुछ साइट्स आपको आवश्यक डेट के बारे में सलाह देती हैं। सबसे जरूरी बात आप इन साइट्स की कीमत को जरूर जांच लें, छोटी और क्षेत्रीय साइट्स को भी नजरअंदाज न करें।

ईमानदारी से बनाएं प्रोफाइल

यह सही है कि ऑनलाइन प्रोफाइल बनाते समय अपनी उम्र, बैकग्राऊंड या आदतों के बारे में झूठी जानकारी देने से बचना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अपने बारे में बहुत अधिक जानकारी भी न दें और सीक्रेट्स तो बिल्कुल भी शेयर न करें, भले ही आप सामने वाले व्यक्ति को पहचानती ही क्यों न हों।

थोड़ी बेईमानी की उम्मीद

● विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑन लाइन डेटिंग रिलेशन बनाने की अपेक्षा एक तरह से विज्ञापन होता है। यह ऐसा विज्ञापन है जो अतिश्योक्तिपूर्ण कथन और झूठ से भरा होता है।

● दोस्ती करने वाले को यह उम्मीद होती है कि सामने वाला व्यक्ति अपनी बैस्ट फोटो अपलोड करेगा जबकि वह अपनी कम उम्र की फोटो के साथ ही अपने वजन को भी कई किलो छिपा जाता है।

● ये बातें भले ही बहुत छोटी-छोटी नजर आती हैं, फिर भी इसी बात से अंदाजा लगा कर चलें कि वह और भी कई बातों में झूठ बोल रहा होगा, अत- हर बात को स्वयं परखना बहुत जरूरी है।

फॉड से बचें

किसी भी नई तकनीक के समान ही ऑनलाइन डेटिंग के भी कुछ नकारात्मक पहलू हैं। इनमें से सबसे बड़ी बात फॉड की है। बड़ी संख्या में अंतर्राष्ट्रीय सहायता संघ भी वजूद में हैं जो ऑनलाइन डेटिंग साइट्स पर भी मौजूद हैं और अक्सर इस तरह के मैसेज भेज कर दावा करते हैं कि कुछ लोग हैं जो मुसीबत में हैं और उनके पास पैसे नहीं हैं। अगर कोई व्यक्ति विशेषत- जो दूसरे देश से हो तो उससे तुरंत नाता तोड़ लें।

जासूस बनना बुरा नहीं

● जिससे ऑनलाइन मिली हैं और फिर उस व्यक्ति से वास्तव में मिलने जा रही हैं तो उनके बारे में थोड़ी जांच-पड़ताल भी करें।

● इसके लिए मल्टीपल सर्च इंजन का सहारा लें। आपराधिक बैकग्राऊंड की भी जांच करें। इस बात को सुनिश्चित कर लें कि उसके अनुसार जो वह है वह सच है।

खाना खजाना

स्वाद भरा बेसन ढोकला

सामग्री - बेसन -2 छोटी कटोरी, नींबू का रस - 2 चम्मच, नमक -स्वादानुसार, तेल - 3 छोटे चम्मच, फ्रूट साल्ट - 1 छोटा चम्मच, हल्दी -1 छोटे चम्मच, अदरक - 1 इंच कद्दूकस की हुई

गार्निश के लिए - राई - 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च - 2 से 3 लंबी कटी हुई, नमक - आधा छोटा चम्मच, चीनी - 1 छोटा चम्मच, तेल - 1 छोटा चम्मच, हरा धनिया - आधी छोटी कटोरी, एक नींबू - रस निकला हुआ

विधि - बेसन को एक बाऊल में डाल लें, उसमें नमक, नींबू का रस, तेल, अदरक का पेस्ट और हल्दी डाल कर पानी की मदद से अच्छी तरह मिला लीजिए। याद रहे गुठली नहीं पडनी चाहिए, अगर आप को पेस्ट गाढ़ा लगता है तो पानी और डालें। पेस्ट को उतना गाढ़ा रखें जितना इडली बनाने के लिए रखते हैं। अब बेसन के पेस्ट को 20 मिनट के लिए ढक कर रखें, ताकि बेसन फूल जाए। एक पतीले में 2 गिलास पानी डाल लें, उसके अन्दर एक जाली वाला स्टैंड रखिए और पतीले को अच्छी तरह ढक दीजिए, गैस को मद्धम आंच पर चलाएं। 20 मिनट बाद बेसन को चम्मच से अच्छी तरह मिला लें और उसमें फ्रूट साल्ट डाल लें। पेस्ट को चम्मच से मिला लीजिए, पेस्ट को ज्यादा देर तक मिलाना नहीं है क्योंकि ज्यादा मिलाने से फ्रूट साल्ट में से हवा निकल जाएगी। थाली में चारों तरफ तेल लगा लें, फिर पेस्ट को उसमें डाल दीजिए। उस थाली को पतीले में स्टैंड के ऊपर रख कर ढक दें। अब 15 से 20 मिनट तक आग पर पकने दीजिए। फिर चाकू को ढोकले के अंदर डाल कर देखिए कि चाकू पर चिपक तो नहीं रहा, अगर ढोकला चिपक रहा हो तो गैस को थोड़ा और चलने दीजिए। जब ढोकला चिपकना बन्द हो जाए तब गैस बन्द करें और ठंडा होने के बाद चाकू से चारों तरफ से ढोकले को निकाल लीजिए। ढोकले को आप एक प्लेट में निकाल लीजिए । उसके बाद ढोकले को किसी भी साइज में काट लें। इसे बर्फी या चौकोर शेप में काटा जाता है। अब पैन में एक चम्मच तेल डाल लें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें राई डाल दीजिए और राई के चटकने के बाद हरी मिर्च डालें। चम्मच से 2 से 3 बार चला लीजिए उस के बाद नमक और चीनी डालिए, उसमें एक कटोरी पानी डालें। उबाल आने तक पकने दें, उसके बाद गैस बंद करें और ठंडा होने के बाद ढोकले के ऊपर चम्मच की मदद से डाल दीजिए। इस तरह से डालिए ताकि पूरा पानी ढोकलों के ऊपर आ जाए। ढोकला बन कर तैयार है।

सब्जियों से सजा लाजवाब ब्रैड पिज्जा

सामग्री - ब्रैड - 4 पीस, प्याज - 1 बारीक कटा हुआ, टमाटर - 1 बारीक कटा, गाजर - 1 कद्दूकस की हुई, शिमला मिर्च - 1 बीज निकाल कर बारीक कटी हुई, हरी मिर्च कटी हुई - 1 छोटा चम्मच, धनिया - थोड़ा-सा बारीक कटा हुआ, चिली सॉस - आधा छोटा चम्मच, सूजी - एक चौथाई कप, मलाई - एक-चौथाई कप, नमक - स्वादानुसार, तेल - 1 छोटा चम्मच

विधि - ब्रैड स्लाइस तिकोने काट लीजिए, बाकी सामग्री अच्छी तरह मिला लीजिए और उसे 5 मिनट के लिए रख दीजिए। ब्रैड के टुकड़ों पर एक तरफ सारी सामग्री फैला दें। एक नॉन स्टिक तवे पर तेल डालें, जब तेल गर्म हो जाए तब उसमें ब्रैड के टुकड़े रख दीजिए और उन्हें हल्की आंच पर भूरा होने तक दोनों तरफ से सेंक लें। ब्रैड पिज्जा बन कर तैयार है, टमाटर की चटनी के साथ गर्मा-गर्म परोसें।

काजू चिक्की

सामग्री - 250 ग्राम काजू, 250 ग्राम चीनी या गुड़, 2 छोटे चम्मच घी

विधि - काजू को 2 टुकड़ों में काट लीजिए। कड़ाही में एक छोटा चम्मच घी डाल कर गर्म कीजिए, घी में चीनी डालिए और मिला दीजिए। तेज या मध्यम आग पर चीनी को पिघलने दीजिए। चीनी को चम्मच से लगातार चलाते रहिए, चीनी तले में लगनी नहीं चाहिए जैसे ही चीनी पूरी तरह पिघल जाए, आग बन्द कर दीजिए, कटे हुए काजू डाल कर अच्छी तरह मिलाइए। चिकनी की गई थाली या समतल जगह को चिकना करके, काजू मिश्रण को उसके ऊपर रखिए, बेलन को घी लगाकर चिकना कीजिए, चिक्की के मिश्रण को इच्छानुसार पतला या मोटा बेल लें। चिक्की के गर्म ही रहने तक जिस आकार में आप चिक्की के टुकड़े करना चाहते हैं यदि चाकू से निशान डाल दें, तो टुकड़े उसी आकार में तोड़े जा सकते हैं। ठंडा होने पर चिक्की के टुकड़े चाकू से नहीं, हाथ से ही अपने पसन्द अनुसार कर लीजिए। तैयार काजू की चिक्की को एयर टाइट कंटेनर में भर कर रख लीजिए।

केसरिया लड्डू

सामग्री - बेसन तीन कटोरी (दरदरा पिसा हुआ), चीनी दो कटोरी, - इलायची पाऊडर एक छोटा चम्मच, एक-चौथाई कटोरी काजू अथवा बादाम, केसर 5-6 लच्छे, चुटकी भर मीठा पीला रंग, देसी घी तलने के लिए, एक-चौथाई कप दूध

विधि - बेसन को छान कर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिलाएं और पानी से घोल तैयार कर लें। अब एक पतीले में पानी एवं शक्कर मिला कर एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसल कर डाल दें। साथ ही पिसी इलायची भी डाल दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की छलनी या झारे की सहायता से थोड़ी-थोड़ी करके सारे घोल की बूंदी बनाती जाएं और चाशनी में डालती रहें। जब बूंदी पूरी तरह से चाशनी पी ले, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगा कर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। लड्डू बनाते समय सभी पर एक-एक काजू अथवा बादाम रख कर हाथ से दबा दें। अब गणपति बप्पा को घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डुओं का भोग लगाएं।

बच्चे के सहज और स्वाभाविक विकास के लिए स्कूल एक महत्वपूर्ण स्थान है। बच्चा स्कूल के माहौल में ही अपने दूसरे साथियों के साथ तालमेल बिठाना सीखता है। उसकी स्वयं की छवि भी स्कूल में जाकर ही बनती है। वहीं पर उसे अपनी कार्यक्षमता का अहसास भी होता है। बच्चे के लिए घर से बाहर की पहली दुनिया स्कूल ही होती है।

बच्चों की शिक्षा में माँ-बाप की भागीदारी जरूरी

आमतौर पर होता यह है कि बच्चे को स्कूल भेजने के बाद कई बच्चों के माता-पिता स्वयं को तमाम जिम्मेदारियों से मुक्त मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चा अब सिर्फ स्कूल की जिम्मेदारी बन गया है। कई बार देखने में आता है कि बच्चों की शिक्षा में माता-पिता जितनी रूचि लेते हैं उसका खासा असर बच्चों की शिक्षा पर पड़ता है। जिन बच्चों के माता-पिता बच्चों के स्कूल से लौट कर आने के बाद उनकी डायरी देखते हैं, समय-समय पर उनका होमवर्क करवाते हैं वे बच्चे पढ़ाई में अपेक्षाकृत ज्यादा अच्छे निकलते हैं।

बच्चे के स्कूल से लौट कर घर आने के बाद मां की जिम्मेदारी बनती है कि वह बच्चे के गुजरे छोटे से छोटे अनुभव के साथ अपनी साझेदारी करे ताकि बच्चा उस माहौल में ढल सके। आमतौर पर देखने में आता है कि बच्चा स्कूल से घर लौट कर आने के बाद गंदे हाथों से ही कुछ भी खा पी कर अपने दूसरे भाई-बहनों के साथ खेलने में लग जाता है और दूसरे दिन जब स्कूल जाने का समय होता है तो उसे अपने अधूरे होमवर्क और गंदी यूनीफार्म में ही बेमन से स्कूल जाना पड़ता है।

बच्चा जब स्कूल से लौट कर आए तो मां को इसके लिए पहले से ही पूरी तैयारी रखनी चाहिए। बच्चे के आने के बाद उसके हाथ-मुंह धुला कर, उसकी यूनीफार्म बदल कर उसे दोपहर का खाना खिलाना चाहिए। बच्चा स्कूल से लौट कर आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण स्वयं को ही समझता है। बच्चे के खाना खाने के दौरान ही उसके स्कूल में उसके साथ क्या कुछ गुजरा, विषय पर उससे पूछा जा सकता है।

कामकाजी माता-पिता के बच्चे अकसर स्कूल से लौटने के बाद या तो क्रेच में जाते हैं या फिर घर में आने के बाद घरेलू नौकरों या दादा-दादी के संरक्षण में रहते हैं। ऐसे बच्चों के माता-पिता भले ही दोपहर में न सही लेकिन शाम को आफिस से लौटने के बाद या फिर रात के खाने के समय उसके स्कूल के अनुभवों के बारे में पूछ सकते हैं।

अकसर स्कूल में शिक्षकों की शिकायत रहती कि कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों का पूरा ध्यान नहीं रखतीं जिससे ऐसी माताओं को अपराधबोध महसूस होता है। उन्हें इस अपराधबोध से थोड़ा उबरना पड़ेगा। ऐसी महिलाओं को चाहिए कि वह चाहे जहां कहीं भी हों लेकिन बच्चे के स्कूल से आते ही कम से कम उससे फोन पर तो बात कर ही लें।

ध्यान रखें कि आप जो भी समय बच्चे को दे रहे हैं उसकी उपयोगिता हो। यह जरूरी नहीं है कि बच्चे के सामने हर समय मौजूद रहें। लेकिन आपके बच्चे के मन में आपकी मौजूदगी सदा बनी रहे, इसके लिए प्रयास जरूर करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

पीएम पैकेज कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर राहत आयुक्त से की मुलाकात

जम्मू, 5 नवंबर (हि.स.)। कर्मचारी महासभा मार्तंड अनंतनाग के एक प्रतिनिधिमंडल ने राहत एवं पुनर्वास आयुक्त (प्रवासी) अरविंद करवानी से भेंट कर कश्मीर घाटी में कार्यरत पीएम पैकेज कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक माहौल में हुई, जिसमें आवास, सेवा स्थिति और पदोन्नति से संबंधित मुद्दों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक का मुख्य विषय पीएम पैकेज कर्मचारियों के लिए आवासीय क्वार्टरों का समय पर आवंटन रहा। प्रतिनिधिमंडल ने आवास योजना की स्थिति और उसके कार्यान्वयन पर स्पष्ट जानकारी मांगी। राहत आयुक्त अरविंद करवानी ने आश्वासन दिया कि सिविल निर्माण कार्य पूरा होते ही पात्र कर्मचारियों को सरकारी आवास प्रदान किए जाएंगे। इससे आवास संबंधी अस्थिरता का बड़ा मुद्दा हल होने की उम्मीद जताई गई।

प्रतिनिधिमंडल ने जेके फंड संगठन द्वारा जारी एक प्रतिबंधात्मक आदेश पर भी चिंता व्यक्त की, जो कथित रूप से पीएम पैकेज कर्मचारियों को अर्ध-स्थायी दर्जा और पदोन्नति से वंचित करता है। उन्होंने कहा कि यह आदेश कर्मचारियों के कैरियर विकास में बाधा बन रहा है।

इस पर राहत आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि वह इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर संबंधित विभागों और अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत रूप से विचार करेंगे, ताकि कर्मचारियों को न्याय मिले और सेवा से जुड़ी अड़चनें शीघ्र दूर की जा सकें।

बैठक का समापन इस आपसी सहमति के साथ हुआ कि आवास आवंटन प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी और सेवा संबंधी प्रतिबंधों को दूर करने के प्रयासों को प्राथमिकता दी जाएगी।

देशव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान 4.0 का शुभारंभ

नई दिल्ली, 05 नवंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री ने बुधवार को देशव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान 4.0 का शुभारंभ किया। यह एक माह लंबा अभियान 30 नवंबर तक चलेगा, जिसका उद्देश्य पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाण पत्र प्रक्रिया को सरल बनाना है। अभियान के पहले चार दिनों में ही 55 लाख से अधिक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी किए जा चुके हैं, जबकि पूरे माह का लक्ष्य दो करोड़ का है। अभियान 4.0 के तहत देशभर के लगभग 2,000 जिलों और शहरों में 2,500 शिविर लगाए जा रहे हैं, जिनका संचालन 1,250 नोडल अधिकारी करेंगे। इसमें 19 पेंशन वितरण बैंक, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, यूआईडीएआई, एमईआईटीवाई, ईपीएफओ, रेलवे और दूरसंचार विभाग जैसी संस्थाएँ भाग ले रही हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक अकेले 1.8 लाख डाक कर्मचारियों के माध्यम से 1,600 से अधिक स्थानों पर घर-घर जाकर जीवन प्रमाण पत्र सेवा उपलब्ध करा रहा है।

डॉ. सिंह ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईज़ ऑफ लिविंग और सिटिजन सेंट्रिक गवर्नेंस के विज़न का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस बार विशेष रूप से फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक को प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि बुजुर्ग पेंशनभोगियों को अधिक सुविधा मिले।

राहुल गांधी की गुरुवार को बिहार के पूर्णिया और अररिया में चुनावी सभाएं

नई दिल्ली, 05 नवंबर (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को बिहार दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे पूर्णिया और अररिया जिलों में दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। गुरुवार को ही राज्य में प्रथम चरण की 121 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होना है। पार्टी के अनुसार राहुल गांधी का पहली जनसभा दोपहर 12-45 बजे पूर्णिया जिले के कसबा स्थित एमएल आर्य कॉलेज मैदान में होगी।

गुरु नानक देव जी के उपदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री

लखनऊ, 05 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व पर राजधानी लखनऊ के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने सिख गुरुओं के सम्मान में अपना शीश नवाया और दर्शन किए। समारोह में कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी भारत के एक उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे, जिन्होंने 500 वर्ष पहले समाज के संगठन, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वही आज भारत की सामाजिक व्यवस्था की नींव है। सीएम योगी ने कहा कि उस काल में जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता झेल रहा था, जब मंदिर तोड़े जा रहे थे, आस्था पर प्रहार हो रहे थे, तब भी गुरु नानक देव जी बिना भय, बिना दबाव समाज को मार्गदर्शन दे रहे थे। उन्होंने मिल-बांटकर खाने, गरीबों की मदद करने और एकजुट समाज बनाने का संदेश दिया।भारत के संतों ने संकट के समय भी राष्ट्र की आत्मा को जीवित रखामुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव जी की आध्यात्मिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि भारत संतों और महापुरुषों की उस परंपरा का देश है, जिसने संकट के समय भी राष्ट्र की आत्मा को जीवित रखा। योगी ने कहा कि जब विदेशी आक्रांताओं के आगे कई राजा-रजवाड़े झुक गए, तब गुरु नानक देव जी ने बाबर को 'जाबर' यानी जल्लाद कहने का साहस दिखाया। यही भारत की संत परंपरा की शक्ति थी।

समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज जब कुछ क्षेत्रों में धर्मांतरण जैसी गतिविधियां दिखाई देती हैं, तो हमें सिख पंथ की मूल भावना — एकता, संगठन और सेवा — को और सशक्त करना होगा।

2017 से वांछित भगोड़ा जम्मू पुलिस द्वारा नगरोटा से गिरफ्तार

जम्मू, 5 नवंबर (हि.स.)। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक भगोड़े को गिरफ्तार किया है जो पिछले नौ वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहा था।

आरोपी की पहचान मोहम्मद जुबैर, पुत्र नजीर हुसैन, जाति गुज्जर, निवासी राजौरी के रूप में हुई है। वह नगरोटा पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 58/2017 धारा 279 आरपीसी के तहत दर्ज एक मामले में वांछित था। 2017 से फरार होने के कारण, मुंसिफ जेएमआईसी जम्मू की माननीय अदालत ने उसके खिलाफ सीआरपीसी की धारा 512 के तहत वारंट जारी किया था।

विशिष्ट सूचनाओं और निरंतर प्रयासों के आधार पर एसएचओ पीएस नगरोटा के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन नगरोटा की एक पुलिस टीम ने आरोपी का सफलतापूर्वक पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया जिससे उसे आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा सके।

बिहार के राज्यपाल आरिफ खान ने हज़रतबल दरगाह पर मत्था टेका

श्रीनगर, 5 नवंबर (हि.स.)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आज हज़रतबल दरगाह का दौरा किया और यहाँ मत्था टेका। उनके साथ जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. दरख्शां अंद्राबी भी थीं।

राज्यपाल खान ने इस विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक केंद्र के ऐतिहासिक और भव्य पुनर्निर्माण और उन्नयन के लिए डॉ. दरख्शां अंद्राबी और वक्फ बोर्ड की उनकी पूरी टीम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह परियोजना देश भर के अन्य सभी आध्यात्मिक केंद्रों के लिए एक आदर्श बन सकती है। वक्फ अध्यक्ष डॉ. अंद्राबी ने आरिफ मोहम्मद खान को दरगाह के संपूर्ण विकासात्मक प्रारूप के बारे में बताया। उन्होंने बिहार के राज्यपाल को दरगाह आने के लिए धन्यवाद दिया।

दो अलग-अलग मामलों में वांछित दो अपराधी गिरफ्तार

जम्मू, 5 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक दशक से ज्यादा समय की तलाश के बाद दो अलग-अलग मामलों में वांछित दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि चांदीमढ़ गाँव निवासी बुर्जू पर 2013 में सुरनकोट पुलिस स्टेशन में रणबीर दंड संहिता की धारा 436 के तहत मामला दर्ज किया गया था जो किसी घर को नष्ट करने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ से उत्पात मचाने से संबंधित है। उन्होंने बताया कि वर्षों से लगातार प्रयासों के बावजूद आरोपी भूमिगत रहने में कामयाब रहा लेकिन आखिरकार मंगलवार को सुरनकोट पुलिस स्टेशन की एक टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रवक्ता ने बताया कि सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद गिरफ्तार व्यक्ति को आगे की कार्यवाही के लिए सक्षम न्यायालय में पेश किया गया। उन्होंने बताया कि लंबे समय से फरार चल रहे गुरसाई निवासी मोहम्मद रयाज़ को मेंढर से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने हेरोइन के साथ एक नशा तस्कर को किया गिरफ्तार

कदुआ, 05 नवंबर (हि.स.)। नशा तस्करों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए कदुआ पुलिस ने एसएसपी कदुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में बिलावर थाना क्षेत्र के धर्मकोट-धार रोड इलाके से लगभग 9.31 ग्राम हेरोइन के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार विश्वसनीय सूचना के आधार पर एसएचओ बिलावर इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में बिलावर थाना पुलिस के एक दल ने धार रोड पर धर्मकोट (बिलावर) में एक नाका लगाया। चेकिंग के दौरान उन्होंने एक व्यक्ति को मांडली से फिंतर की ओर पैदल आते देखा। पुलिस दल को देखकर उस व्यक्ति ने मौके से भागने का प्रयास किया। पुलिस दल ने तुरंत उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 9.31 ग्राम चिट्टा और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर कठुआ में श्रद्धा और भक्ति का माहौल

कठुआ, 05 नवंबर (हि.स.)। सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ गुरुद्वारा सिंह सभा कठुआ में मनाया गया।

गुरुद्वारे में पूरे दिन शबद-कीर्तन, अरदास और लंगर सेवा का आयोजन किया गया जिसमें सभी समुदायों के लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर डीसी कठुआ राजेश शर्मा, तहसीलदार विक्रम शर्मा, और डीएसपी हेडक्वार्टर रविंदर सिंह सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने गुरु नानक देव जी के उपदेशों को आज के समाज के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि गुरु जी का संदेश नाम जपो, किरत करो मानवता और समानता की सच्ची मिसाल है। कार्यक्रम के अंत में संगत ने अरदास कर जिला कठुआ में शांति, प्रेम और भाईचारे की कामना की।

गुरु नानक जी का संदेश आज भी प्रासंगिक : दत्तात्रेय होसबोले

नई दिल्ली, 5 नवंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने गुरु नानक देव जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर आज गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब में मत्था टेका। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरु नानक जी का संदेश 'नाम जपना, किरत करनी और वंड छकना' (ईश्वर का नाम जपना, ईमानदारी से मेहनत करना और कमाया धन दूसरों के साथ बांटना) आज भी प्रासंगिक है।

सरकार्यवाह ने कहा कि यह गुरु नानक साहिब की 556वीं जयंती है। हम इस पावन अवसर पर अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब आए हैं। गुरु नानक जी ने कहा था कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है, यही आज दुनिया का सबसे बड़ा संदेश है। हम सभी को गुरु नानक के दिखाए पथ पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारत के लोगों को गुरु नानक जी के दिखाएं रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। इसमें किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं है, चाहे वह ऊंच-नीच हो, छुआछूत हो, पिछड़ापन हो, अमीर-गरीब हो, या कोई भी धर्म या संप्रदाय हो।

राणा ने राजौरी में विकास कार्यों और जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति पर समीक्षा बैठक की

राजौरी, 05 नवंबर (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने राजौरी में एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की जिसमें जिले में चल रहे विकास कार्यों और जलापूर्ति योजनाओं की स्थिति का आकलन किया गया। बैठक के दौरान मंत्री ने पूंजीगत व्यय बजट और नाबार्ड निधि के अंतर्गत कार्यान्वित की जा रही जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने जिले के संबंधित अधिकारियों को इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया ताकि हर घर जल पहल के तहत हर घर को कार्यात्मक नल जल कनेक्शन प्रदान किया जा सके। मंत्री ने व्यय दक्षता बढ़ाने और धन की किसी भी चूक को रोकने के लिए सभी विकास कार्यों की गति में तेजी लाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमीनी स्तर पर ठोस प्रगति हासिल करने के लिए एक सक्रिय और समन्वित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

पर्यावरण शासन के संदर्भ में मंत्री ने अवैध मलबा डंपिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए और इस बात पर जोर दिया कि सभी स्टोन क्रशर निर्धारित पर्यावरणीय मानकों और मापदंडों के अनुसार सख्ती से संचालित होने चाहिए। उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा उपायों के अनुरूप सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए उमर अब्दुल्ला सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। समीक्षा बैठक में राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा, जल शक्ति के मुख्य अभियंता हनीफ चौधरी, लोक निर्माण विभाग के विशेष अभियंता, जल शक्ति और लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता, अतिरिक्त उपायुक्त, सहायक आयुक्त, सहायक आयुक्त, वन संरक्षक, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संभागीय अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्रीनगर के ओल्ड फ़तेह कदल में लगी आग, तीन रिहायशी घर क्षतिग्रस्त और एक दमकलकर्मी घायल

श्रीनगर, 5 नवंबर (हि.स.)। श्रीनगर के ओल्ड फ़तेह कदल में आधी रात को आग लग गई जिससे तीन रिहायशी घर क्षतिग्रस्त हो गए और एक दमकलकर्मी घायल हो गया। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि बुधवार सुबह की।

उन्होंने बताया कि अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा की बाबदेम इकाई ने शुरुआत में ही आग पर काबू पा लिया और शहीद गंज, हब्बा कदल और सफ़ा कदल स्टेशनों से अतिरिक्त बल भेजा गया। एक अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के अधिकारी ने कहा कि आग भीषण थी लेकिन समय पर प्रतिक्रिया से उस पर काबू पा लिया गया और आगे के नुकसान को रोका गया। उन्होंने बताया कि घायल दमकलकर्मी को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि आग लगने के सही कारण की जाँच की जा रही है।

दिल्ली और कुछ अन्य हवाई अड्डों पर एयर इंडिया की चेक इन प्रणाली में आई समस्या, उड़ानों में हुई देरी

नई दिल्ली, 05 नवंबर। एयर इंडिया की चेक-इन प्रणाली बुधवार को दिल्ली और कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बाधित रही, जिससे कई उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई। हालांकि, सिस्टम को बहाल कर दिया गया है। एयरलाइन ने जारी एक बयान में बताया कि दिल्ली और कुछ अन्य हवाई अड्डों पर एयर इंडिया के चेक-इन सिस्टम में थर्ड-पार्टी कनेक्टिविटी नेटवर्क की समस्या के कारण समस्याएं आईं।

एसएसपी मोहिता शर्मा ने गुरु नानक देव जी की जयंती पर लोगों को दी बधाई

कदुआ, 05 नवंबर (हि.स.)। एसएसपी कदुआ मोहिता शर्मा आईपीएस जिला पुलिस के सभी रैंकों की ओर से कदुआ जिले के लोगों और जम्मू-कश्मीर पुलिस

के सभी कर्मियों को श्री गुरु नानक देव जी की जयंती पर बधाई दी। मोहिता शर्मा ने कहा कि सभी लोग करुणा और निस्वार्थ सेवा के उनके शाश्वत ज्ञान को अपनाएँ जो हमें अखंडता और एकता के साथ जीने का मार्गदर्शन करते हैं।

अशोक कौल, सुरजीत सिंह सलाथिया ने देवयानी राणा के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया

नगरोटा, 5 नवंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के महासचिव (संगठन) अशोक कौल, पूर्व मंत्री एवं विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया और भाजपा के सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी वेद शर्मा ने आगामी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा के समर्थन में नगरोटा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए अशोक कौल ने कहा कि लोगों में बढ़ता उत्साह स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास, पारदर्शिता और सुशासन के दृष्टिकोण में उनके विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि देवयानी राणा नेतृत्व की एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं जो ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ नगरोटा के लोगों की सेवा के लिए समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा वादों की नहीं बल्कि काम की राजनीति में विश्वास करती है। नगरोटा को एक ऐसे नेता की ज़रूरत है जो हर घर तक विकास सुनिश्चित करे।

सुरजीत सिंह सलाथिया ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा के अभियान को मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया लोगों की बदलाव और प्रगति की चाहत को दर्शाती है। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा के हाथ मज़बूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए देवयानी राणा का समर्थन करने का आग्रह किया कि उनके नेतृत्व में नगरोटा एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बने।

आदतन नशा तस्कर राशिद के खिलाफ पीआईटी-एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज

कदुआ, 05 नवंबर (हि.स.)। नशा तस्करों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कदुआ पुलिस ने एसएसपी कदुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में एक आदतन नशा तस्कर के खिलाफ पीआईटीएनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार जम्मू के संभागीय आयुक्त के निर्देश पर आरोपी राशिद उर्फ तेगू पुत्र शातु निवासी जंदराई तहसील रामनगर जिला उधमपुर, मौजूदा पता कोटपुन्नू तहसील मढ़हीन जिला कदुआ' के खिलाफ हिरासत वारंट जारी किया गया है जो एक आदतन नशा तस्कर है। एसएचओ थाना लखनपुर इंस्पेक्टर तारिक अहमद के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन लखनपुर की एक पुलिस पार्टी ने आरोपी को गिरफ्तार किया और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ अधिनियम 1988 में अवैध तस्करी की रोकथाम की धारा 3 के तहत उक्त वारंट को निष्पादित किया।

एनएसएस इकाई ने मनाई सांस्कृतिक संध्या 'संपदा', रचनात्मकता और एकता का दिया संदेश

जम्मू, 5 नवंबर (हि.स.)। कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने अपने स्वयंसेवकों की कलात्मकता और रचनात्मक भावना का उत्सव मनाने के लिए संपदा नामक एक रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। यह आयोजन मनोरंजन, उत्साह, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता से भरपूर रहा, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर एक यादगार शाम का आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद एनएसएस स्वयंसेवकों ने मनमोहक प्रस्तुतियों की श्रृंखला पेश की। गायन, नृत्य और कविता जैसे विविध कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। जहां मधुर गीतों ने शाम को सुरमयी बनाया, वहीं ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुतियों ने वातावरण में उत्सव का रंग भर दिया। मानवता, सेवा और युवा सशक्तिकरण पर आधारित कविताओं ने दर्शकों के हृदय को स्पर्श किया। दर्शकों ने हर प्रस्तुति की सराहना करते हुए स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। टीमवर्क और समर्पण की भावना से ओतप्रोत इस आयोजन को सफल बनाने में सभी स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें आयोजन में योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर एनएसएस समन्वयक डॉ. राजीव कुमार और डॉ. कमलदीप उपस्थित रहे तथा उन्होंने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की।

संपादकीय

अनुपस्थिति का प्रचलन

विभिन्न सरकारी विभागों की कार्य स्थिति का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बड़ी संख्या में कर्मचारी गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपना रहे हैं, खासकर अनुपस्थिति के मामले में, जो दुर्भाग्य से इन दिनों जम्मू-कश्मीर में प्रचलन में है।

इस संबंध में रिपोर्टें चौंकाने वाली हैं क्योंकि उखराल के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) खारी में तैनात तीन डॉक्टरों का वेतन रोक दिया है और कथित तौर पर अनधिकृत रूप से ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर उनसे दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है।

यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि राजौरी जिले से इसी तरह की एक और रिपोर्ट सामने आई है, जो शिक्षा विभाग के कर्मचारियों की समस्या की गंभीरता को उजागर करती है, जो बड़े पैमाने पर अनुपस्थिति का नाटक करना पसंद करते हैं। कथित तौर पर स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों विभागों के 919 कर्मचारी डिजिटल उपस्थिति प्लेटफॉर्म पर अनुपस्थित पाए गए, जिसके बाद प्रशासन ने अधिकारियों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किए।

इन दोनों मामलों में, जो बात सामने आई है, वह यह है कि सरकारी कर्मचारी उपस्थिति नियमों की बिल्कुल परवाह नहीं करते और इन कर्मचारियों की समय की पाबंदी और अनुशासन की जाँच के लिए स्थापित ढाँचे की ज़रा भी परवाह नहीं करते। इन मामलों में दिलचस्प बात यह है कि इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारी विभाग को उचित सूचना दिए बिना ड्यूटी से अनुपस्थित रहते हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े इन महत्वपूर्ण विभागों की कार्यप्रणाली का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

सरकार को अनुपस्थिति रोकने के अपने तंत्र पर पुनर्विचार करना चाहिए क्योंकि एक ऐसी व्यवस्था बनाने की ज़रूरत है जो सामान्य कार्यवाही में ही लापरवाह कर्मचारियों की पहचान कर सके, न कि किसी औचक निरीक्षण या अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ विशेष अभियान का इंतज़ार करे। यह समस्या गंभीर है और जम्मू-कश्मीर सरकार के विभिन्न विभागों में आम है, जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग सबसे आगे हैं।

यह कहा जा सकता है कि बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली या चेहरा पहचान प्रणाली लगाने का तब तक कोई फ़ायदा नहीं है जब तक कि इन तकनीक-संचालित उपकरणों की नियमित निगरानी के लिए कोई तंत्र न हो, क्योंकि कर्मचारियों को अनुपस्थित रहने से रोकने के लिए यह ज़रूरी है।

प्रशासनिक प्रमुखों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर स्तर पर पर्यवेक्षण अधिक जवाबदेह और पारदर्शी हो। आदतन अपराधियों के खिलाफ निलंबन या बर्खास्तगी सहित कड़ी कार्रवाई को दूसरों के लिए निवारक बनाया जाना चाहिए।

इसके अलावा, सरकार को समय-समय पर समीक्षा, औचक निरीक्षण और एक पारदर्शी पुरस्कार-दंड नीति के माध्यम से अपने कर्मचारियों में अनुशासन, कर्तव्य और सार्वजनिक जवाबदेही की भावना पैदा करनी चाहिए। आखिरकार, किसी भी सरकार की विश्वसनीयता उसके कर्मचारियों की दक्षता से आंकी जाती है, और इस तरह के अनुपस्थित व्यवहार के प्रति कोई भी नरमी व्यवस्था में जनता के विश्वास को कम ही करेगी।

भारत का डिजिटल विस्तार और ई-वेस्ट की चुनौती

भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता अभी भी सीमित है, वहां ई-वेस्ट एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रहा है। पुराने कंप्यूटर, मोबाइल फोन, टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर या प्रिंटर जैसे उपकरणों में मौजूद लेड, पारा और कैडमियम जैसी विषैली धातुएं जब मिट्टी या जल में घुलती हैं, तो यह न केवल पर्यावरण बल्कि मानव शरीर के लिए भी घातक सिद्ध होती हैं।ईवेस्ट यानी इलेक्ट्रॉनिक कचरा आज दुनिया के सामने एक बढ़ता हुआ पर्यावरणीय खतरा बन चुका है। आधुनिक जीवन में तकनीकी उपकरणों की बढ़ती संख्या ने जहां सुविधाएं बढ़ाई हैं, वहीं इनके अनुपयोगी या अपनी जरूरत से कमतर उपयोगी हो जाने के बाद उत्पन्न कचरे ने पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए नई समस्या खड़ी कर दी है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर 2024 के अनुसार वर्ष 2022 में दुनिया भर में लगभग 62 मिलियन टन ई-वेस्ट उत्पन्न हुआ था और अनुमान है कि वर्ष 2030 तक यह बढ़कर लगभग 82 मिलियन टन तक पहुंच जाएगा। विश्व स्तर पर इसका केवल 22.3 प्रतिशत भाग ही वैज्ञानिक रूप से री-सायकल किया जा रहा है, बाकी या तो खुले में फेंका जा रहा है या लैंडफिल में दबा दिया जाता है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक देश है। कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन कार्य, ई-लर्निंग, ई-कॉमर्स और घर से काम करने की प्रवृत्ति ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खपत को कई गुना बढ़ा दिया। मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट, कैमरा और नेटवर्किंग उपकरणों की मांग में आई इस अचानक वृद्धि ने ई-वेस्ट उत्पादन को भी तेज़ी से बढ़ाया। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में 16 दिसंबर 2024 प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, भारत में पिछले पांच वर्षों में ई-वेस्ट उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2019-20 में 10.14 लाख टन (1.01 मिलियन मीट्रिक टन) ई-वेस्ट उत्पन्न हुआ था, जो बढ़कर वर्ष 2023-24 में 17.51 लाख टन (1.751 मिलियन मीट्रिक टन) हो गया। यह वृद्धि लगभग 72.5 प्रतिशत रही है, जो यह दर्शाता है कि पूरे देश में इलेक्ट्रॉनिक और विद्युत उपकरणों के उपयोग में तेजी से वृद्धि के साथ ई-वेस्ट का बोझ भी बढ़ा है। इससे यह स्पष्ट है कि डिजिटल निर्भरता जितनी बढ़ी है, पर्यावरणीय चुनौतियां भी उसी गति से बढ़ी हैं।

भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता अभी भी सीमित है, वहां ई-वेस्ट एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रहा है। पुराने कंप्यूटर, मोबाइल फोन, टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर या प्रिंटर जैसे उपकरणों में मौजूद लेड, पारा और कैडमियम जैसी विषैली धातुएं जब मिट्टी या जल में घुलती हैं, तो यह न केवल पर्यावरण बल्कि मानव शरीर के लिए भी घातक सिद्ध होती हैं। ग्रामीण इलाकों या शहरी झुग्गियों में जहां अनौपचारिक रूप से ई-वेस्ट को जलाकर कीमती धातुएं निकाली जाती हैं, वहां वायु प्रदूषण का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है। ऐसे लोग फेफड़ों और त्वचा से संबंधित गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं।

भारत में कुल ई-वेस्ट का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा अब भी अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा एकत्र और संसाधित किया जाता है। इस प्रक्रिया में पर्यावरण सुरक्षा के मानकों की अनदेखी होती है। सरकार ने ई-वेस्ट (प्रबंधन) नियम 2022 लागू किए हैं, जिनमें उत्पादक कंपनियों को अपने उपकरणों के जीवनकाल के बाद उनके जिम्मेदार निपटान की जवाबदेही दी गई है। लेकिन इस नीति का प्रभाव तभी दिखेगा जब इसे सख्ती से लागू किया जाए और नागरिक स्तर पर भी जागरूकता बढ़े।भारत सरकार ने इस साल के स्वच्छता माह में %ई-वेस्ट का निपटान एवं प्लास्टिक का कम से कम उपयोग% थीम रखकर इस समस्या की ओर समाज का ध्यान आकर्षित किया है। इसी क्रम में देशभर में कई सरकारी और औद्योगिक संस्थानों ने ई-वेस्ट प्रबंधन की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। इनमें भोपाल की भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) इकाई का उदाहरण विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भेल भोपाल ने यह दिखाया कि स्वच्छता केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि यह संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और तकनीकी नवाचार से भी जुड़ी है। पुरानी फाइलों का डिजिटल रूप में परिवर्तित करना और फिजिकल दस्तावेजों का जिम्मेदार निपटान, एक ऐसा कदम है जो न केवल जगह की बचत करता है बल्कि कागज के अत्यधिक उपयोग को भी रोकता है। वहीं, पुराने कंप्यूटर और प्रिंटरों के व्यक्तिगत रूप से पुनः उपयोग के लिए कर्मचारियों व अधिकारियों को प्रोत्साहित करना, ई-वेस्ट को कम करने का व्यावहारिक उपाय है। इससे समाज में नए उपकरणों की आवश्यकता घटती है और पर्यावरण पर बोझ भी कम होता है। सबसे रोचक प्रयोग भेल भोपाल द्वारा मैग्नेटिक स्वीपर के रूप में किया गया, जिसके माध्यम से कारखाने के ब्लॉकों और सड़कों पर बिखरी लोहे की चिप्स को प्रभावी ढंग से एकत्रित किया गया। यह प्रयोग न केवल स्वच्छता बढ़ाने में सहायक साबित हुआ बल्कि धातु के पुनर्चक्रण का भी उत्कृष्ट उदाहरण बना।

इस तरह के नवाचार उद्योगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हो सकते हैं, जिससे ई-वेस्ट कम करने की दिशा में ठोस प्रगति हो।भारत के अन्य हिस्सों में भी कुछ संस्थान इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने अपने रिफाइनरियों में पुराने आईटी उपकरणों के पुनर्चक्रण के लिए ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राइव शुरू की है। इंफोसिस ने बेंगलुरु कैंपस में पुराने कंप्यूटरों को शिक्षा संस्थानों को दान करने की पहल की है, जिससे एक ओर डिजिटल समावेशन को बढ़ावा मिला और दूसरी ओर ई-वेस्ट घटा। दिल्ली, पुणे और हैदराबाद जैसे शहरों में ई-वेस्ट बैंक स्थापित किए गए हैं जहां नागरिक अपने पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा कर सकते हैं ताकि उनका वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जा सके। पुराने लैपटॉप, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीद-बिक्री करने वाले बाजारों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों की बढ़ती संख्या पुनः उपयोग की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित कर रही है।स्पष्ट है कि ई-वेस्ट प्रबंधन एक बहुआयामी चुनौती है जिसके समाधान के लिए नीतिगत सख्ती के साथ तकनीकी नवाचार और सामाजिक भागीदारी, तीनों की समान भूमिका है। निर्माताओं को अपने उत्पादों की %एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी' निभानी चाहिए, स्थानीय निकायों को संग्रहण केंद्रों को सक्रिय बनाए रखना होगा, और नागरिकों को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण केवल उपयोग की वस्तु नहीं, बल्कि उसके निपटान की जिम्मेदारी भी उनका कर्तव्य है।

ई-वेस्ट अब केवल औद्योगिक या तकनीकी समस्या नहीं रही, बल्कि यह जीवनशैली और सोच से जुड़ा प्रश्न बन गई है। हमें यह समझना होगा कि ई-वेस्ट कोई बेकार वस्तु नहीं, बल्कि पुनः उपयोग योग्य संसाधन है, और इसके प्रबंधन के प्रति हमारी सजगता ही स्वच्छ और टिकाऊ भविष्य की गारंटी दे सकती है।

साइबर ठगी के शिकार लोगों में आईटी में अग्रणी शहरों के लोग ज्यादा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यदि प्रश्न किया जाए कि देश में सूचना प्रोद्यौगिकी में सबसे आगे कौन-सा शहर है तो बिना किसी झिझक एक ही शब्द का उत्तर आयेगा- बेंगलुरु बेंगलुरू सूचना प्रोद्यौगिकी का बड़ा हब है। उसकी वैश्विक पहचान आईटी हब के रुप में होती है। माना जाना चाहिए कि सूचना प्रोद्यौगिकी या यों कहें कि आईटी में बेंगलुरु वासियों की समझ देश के अन्य प्रदेशों के नागरिकों की तुलना में अधिक ही होगी। बेंगलुरु आईटी हब है तो निश्चित रुप से यहां के निवासियों का साक्षरता स्तर और समझ औरों से अधिक होगी। अब तस्वीर का दूसरा पहलू जो सामने आता है वह यह कि देश में साइबर अपराधों से पीड़ितों की भी सबसे अधिक संख्या बेंगलुरु में ही है। साल दर साल साइबर अपराध से ग्रसित लोगों की संख्या बेंगलुरु में बढ़ती जा रही है। हालांकि दिल्ली, हैदराबाद आदि में भी साइबर अपराध से जुड़े मामलों की बड़ी संख्या है। देश के केवल तीन शहरों बेंगलुरु, दिल्ली एनसीआर और हैदराबाद में ही साइबर ठगी के अपराधों का प्रतिशत 65 फीसदी है। यह आंकड़ा केन्द्र सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए गठित इंडियन साइबर क्राइम कार्डिनेशन सेंटर आई4सी की हालिया रिपोर्ट में उभर कर आया है। रिपोर्ट के अनुसार अकेले बेंगलुरु में साइबर ठगी के 26.8 फीसदी मामले हो रहे हैं तो दिल्ली एनसीआर में 18.4 और हैदराबाद में 19.97 प्रतिशत मामले सामने आ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों की बात करें तो साल 2024 में 22845 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी हुई है। इस साल के शुरुआती पांच माह की ही बात की जाए तो भारतीयों ने सात हजार करोड़ रु. से अधिक की राशि साइबर ठगी में गंवा चुके हैं। असल में साल दर साल साइबर ठगी के मामले और ठगी गई राशि में बड़ी बढ़ोतरी हो रही है। यह तब है कि सरकार ने साल 2018 में साइबर ठगी रोकने के लिए आई4सी का गठन किया है। समय-समय पर मोबाइल पर कॉल करते ही साइबर ठगी से बचने का संदेश कॉलर टोन के रुप में होता है तो सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर साइबर ठगों द्वारा अपनाये जाने वाले तरीकों से बचने के लिए आगाह किया जाता रहा है। एक और यह कि साइबर ठगी के खतरों से आज का लगभग प्रत्येक व्यक्ति वाकिफ है लेकिन गलती कर ही रहा है। फिशिंग, स्पूकिंग, स्पैम और साइबर स्टाकिंग के साथ ही डिजिटल अरेस्ट का आज मोबाइल एण्ड्रायड रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति जानकार है।साइबर ठगी के अधिकांश शिकार पैसे वाले और उसमें भी अधिकांश उच्च पदों से रिटायर्ड अधिकारी होते हैं। उनकी समझ पर किसी तरह का प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। यह सब होने के बावजूद चीन, म्यांमार, लाओस, थाईलैंड व ऐसे ही अन्य स्थानों से ठगों द्वारा भारतीयों को पैसे के लालच से जोड़ कर यह अपराध करवा रहे हैं। देखने में यह भी आया है कि साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट चंद मिनटों तक नहीं बल्कि एक-दो दिन या इससे भी अधिक दिनों तक रखकर आसानी से डरा-धमका कर खातों से मोटी धनराशि उगाह ले रहे हैं। इसके शिकार में फंसे लोग इस कदर भ्रमित हो जाते हैं कि लाखों-करोड़ों में राशि देते समय आगे-पीछे की सोचना भूल जाते हैं। सरकार द्वारा साइबर ठगी के खिलाफ टोल फ्री नंबर जारी करने के साथ अवेयरनेस कार्यक्रम भी लगातार चलाया जा रहा है। आई4सी को सशक्त बनाया जा रहा है। 782 करोड़ रुपए के साइबर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम हो रहा है। पर दशकों से हाईवे के किनारों पर दिखाई देने वाला स्लोगन सावधानी हटी-दुर्घटना घटी और सतर्कता ही बचाव है- एक समय भले यातायात सुरक्षा के प्रमुख अवेयरनेस संदेश होते थे पर लगता आज साइबर ठगी से बचने के लिए भी यह संदेश अधिक कारगर दिखाई दे रहे हैं। बार-बार यही कहा जाता है कि अनजान नंबरों से आने वाले वीडियो कॉल की अनदेखी करें। इसी तरह मोबाइल या मेल पर आने वाले अनजाने लिंक पर क्लिक करने से भी बचें। कोई कॉल या वीडियो कॉल पर किसी भी तरह का अफसर बनकर कॉल करे तो उसे तरजीह ना दें। ज्यादातर मामलों में आपको या आपके परिवार के निकटस्थ को अवैध गतिविधियों में लिप्त होने का झूठा भय दिखा कर ठगी की जा रही है। यह अब कोई नई बात नहीं रही। ऐसे में सावधानी बरत कर साइबर ठगी से बच सकते हैं। डिजिटल अरेस्ट के हालात नहीं बनने दिए जा सकते हैं। जब घर में भी कोई सदस्य या परिचित रुपया-पैसा उधार मांगता है तो हम दस बार सोचते हैं, आनाकानी करते हैं तो फिर ना जाने ऐसा कौन-सा सम्मोहन या भय के हालात हो जाते हैं कि अपनी मेहनत की पूंजी को ठगों के हवाले कर देते हैं। ऐसे में सौ बात की एक बात यह है कि सतर्कता ही एकमात्र बचाव है। हमें सतर्क रहकर ही साइबर ठगों के जाल को नष्ट करना होगा। अन्यथा देश के सर्वाधिक जानकार, विशेषज्ञ और पढ़े-लिखे लोग ही अधिक शिकार हो रहे हैं तो फिर किसे दोष दिया जा सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जम्मू-कश्मीर में फेक पत्रकार- जब पत्रकारिता बन गई ब्लैकमेल का ज़रिया

लेखक- आशु कुमार

500 का पत्रकार—एक नई प्रवृत्ति

स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और सस्ती तकनीक के दौर में जम्मू-कश्मीर की पत्रकारिता तेजी से बदल रही है — लेकिन यह बदलाव पूरी तरह सकारात्मक नहीं है।

कभी ईमानदारी, शोध और जनजवाबदेही का प्रतीक रही पत्रकारिता अब कई जगहों पर व्यक्तिगत फायदे, अफवाह और ब्लैकमेल का माध्यम बनती जा रही है। आज के दौर में ऐसा लगता है कि फ़पत्रकार बनने के लिए सिर्फ 500 का माइक और एक मोबाइल कैमरा ही काफी है। राज्यभर में दर्जनों लोग अपने यूट्यूब चैनल या ऑनलाइन पोर्टल शुरू कर चुके हैं और खुद को डिजिटल रिपोर्टर बता रहे हैं।कुछ लोग सच्ची नीयत से स्थानीय मुद्दों को उजागर कर रहे हैं, लेकिन कई ऐसे भी हैं जिन्होंने पत्रकारिता के नाम पर डराने, धमकाने और वसूली का धंधा शुरू कर दिया है। ये लोग बिना किसी मान्यता या पहचान के प्रेस कॉन्फ्रेंसों में पहुँच जाते हैं, मुफ्त यात्रा या रहने की माँग करते हैं और यहाँ तक कि अधिकारियों को धमकी देते हैं कि अगर उनकी माँगें पूरी नहीं हुईं, तो उनके खिलाफ खबर चला देंगे।

श्रीनगर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा

अब हमें आतंकवादियों से नहीं, माइक से डर लगता है। हर दिन कोई नया व्यक्ति आता है और खुद को रिपोर्टर बताता है — कुछ सच्ची जिज्ञासा से आते हैं, पर कई अपने स्वार्थ छिपाए होते हैं।

जम्मू-कश्मीर की पत्रकारिता के दो चेहरे

आज राज्य में पत्रकारिता दो हिस्सों में बँटी नज़र आती है — एक तरफ हैं पेशेवर पत्रकार, जो प्रशिक्षित, मान्यता प्राप्त और संपादकीय मानदंडों से बंधे हैं। वे संघर्ष, राजनीति और जनसरोकार की ख़बरें जोखिम उठाकर करते हैं। वहीं दूसरी ओर, एक नई जमात उभर आई है — स्वघोषित रिपोर्टरों की, जिन्हें न पत्रकारिता की समझ है, न उसके मूल्यों की परवाह।

ये तथाकथित फेक पत्रकार या माइक पत्रकार सनसनी, चिल्लाहट और झूठे तथ्यों पर आधारित वीडियो बनाकर लाइक और व्यूज़ बटोरते हैं — और यही असली पत्रकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

सरकार हुई सख्त

यह समस्या अब इतनी गंभीर हो गई है कि इस पर शासन स्तर पर कार्रवाई शुरू हो चुकी है। हाल ही में श्रीनगर में एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर में फेक पत्रकारों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सूत्रों के अनुसार, एलजी सिन्हा ने स्पष्ट कहा जो लोग पत्रकारिता के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं, उन्हें कानून का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने जिलाधिकारियों और एसएसपी को निर्देश दिए कि ऐसे तत्वों की पहचान करें और उन्हें व्यवस्था से बाहर करें।

बैठक में यह भी तय हुआ कि सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (DIPR) की निगरानी में हर ज़िले में सक्रिय और मान्यता प्राप्त पत्रकारों की एक सत्यापित सूची तैयार की जाएगी।

केवल वही पत्रकार सरकारी कार्यक्रमों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और जनकार्यालयों में अधिकृत रूप से प्रवेश कर सकेंगे।

DIPR का सख्त आदेश

एलजी के आदेश के बाद, DIPR ने सभी जिला सूचना अधिकारियों को एक परिपत्र जारी किया है, जिसमें अधिकृत पत्रकारों की सूची तैयार करने और अपडेट रखने के निर्देश दिए गए हैं। परिपत्र में कहा गया है कि कई फर्जी मीडिया कार्ड और फेक पोर्टल्स के माध्यम से कुछ लोग अधिकारियों को धमकाने और वसूली करने में लिप्त हैं। अब से केवल DIPR द्वारा मान्यता प्राप्त या पंजीकृत मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों को ही सरकारी दफ्तरों में प्रवेश की अनुमति होगी।

सोशल मीडिया की दोधारी तलवार

सोशल मीडिया ने सूचना के प्रसार को लोकतांत्रिक बनाया है, लेकिन साथ ही झूठी खबरों और फर्जी रिपोर्टरों के लिए रास्ता भी खोल दिया है।हर ज़िले में अब कई डिजिटल न्यूज़ पोर्टल हैं — जिनमें से कई बिना पंजीकरण, संपादकीय टीम या नैतिक मानदंडों के काम कर रहे हैं।

जम्मू के एक वरिष्ठ संपादक ने कहा

पहले न्यूज़रूम में संपादक हुआ करता था जो खबर की सच्चाई जांचता था। अब कैमरा ही न्यूज़रूम बन गया है — न कोई फिल्टर, न कोई जवाबदेही, बस व्यूज़ की दौड़।

पत्रकार बनाम कंटेंट क्रिएटर

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि असली पत्रकारों और ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स में फर्क कैसे किया जाए। दोनों एक जैसे उपकरण इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य और जिम्मेदारी बिल्कुल अलग है। पत्रकार सच्चाई और साक्ष्यों के आधार पर खबर देता है, जबकि कंटेंट क्रिएटर का मकसद दर्शकों को आकर्षित करना या मनोरंजन करना होता है। फिलहाल, इन दोनों की सीमाएँ इतनी धुंधली हो चुकी हैं कि जनता और अधिकारी दोनों भ्रमित हो जाते हैं।

मीडिया विशेषज्ञों का मानना है कि अब एक नई डिजिटल मीडिया नीति की सख्त ज़रूरत है, जो यह तय करे कि पत्रकार कौन है, ऑनलाइन पोर्टल कैसे पंजीकृत हों, और झूठी खबर या ब्लैकमेल के मामलों में क्या सज़ा मिले।

ज़मीनी आवाज़ें

हालांकि सभी यूट्यूब या पोर्टल आधारित रिपोर्टर फेक नहीं हैं।

कई युवा सच्चे इरादों से स्थानीय समस्याओं को उजागर कर रहे हैं।

पुलवामा के 25 वर्षीय स्वतंत्र डिजिटल रिपोर्टर कहते हैं

हमें सिर्फ इसलिए फेक कहा जाता है क्योंकि हम छोटे हैं या नए हैं। लेकिन हम वही दिखा रहे हैं जो बड़े चैनल नहीं दिखाते — सड़कें, बिजली, पानी और जनता की परेशानी। लेकिन आरिफ़ भी मानते हैं कि कुछ लोगों के गलत कामों ने सबकी साख पर दाग लगाया है। जब कोई पत्रकारिता के नाम पर ब्लैकमेल करता है, तो नुकसान हम सबको होता है।

पत्रकार संघों की भूमिका

जम्मू-कश्मीर के मान्यता प्राप्त पत्रकार संगठनों ने लंबे समय से मांग की है कि सरकार एक पारदर्शी सत्यापन तंत्र बनाए।

उनका कहना है कि असली पत्रकारिता प्रशिक्षण, संपादकीय ढांचे और जवाबदेही की मांग करती है — जो फेक पत्रकारों में पूरी तरह अनुपस्थित है। आज हर मोबाइल वाला खुद को पत्रकार बता रहा है, एक वरिष्ठ संवाददाता ने कहा। इससे हमारी पहचान धुंधली हो रही है और सुरक्षा पर खतरा बढ़ रहा है। फेक पत्रकारिता का सबसे बड़ा शिकार जनता का भरोसा है। जब लोग एक ही घटना की सैकड़ों विरोधाभासी खबरें देखते हैं, तो वे असली मीडिया पर भी शक करने लगते हैं। कश्मीर विश्वविद्यालय के एक शोधकर्ता ने कहा एक भ्रामक वीडियो भी गुस्सा या दहशत फैला सकता है। फेक पत्रकार सिर्फ व्यूज़ के लिए आधा सच फैलाते हैं, जिससे समाज की स्थिरता और लोकतंत्र दोनों खतरे में पड़ जाते हैं। नियमन ज़रूरी, लेकिन स्वतंत्रता बरकरार

विशेषज्ञों का मानना है कि फेक पत्रकारों पर नियंत्रण तो ज़रूरी है, लेकिन यह प्रेस की स्वतंत्रता को कुचलने का ज़रिया नहीं बनना चाहिए। मीडिया कानून विशेषज्ञ कहते हैं हमें नियंत्रण नहीं, पारदर्शी ढांचा चाहिए। असली पत्रकारों की आवाज़ को दबाने के बजाय उन्हें संरक्षण मिलना चाहिए।

आगे की राह- विश्वसनीय डिजिटल मीडिया तंत्र की ओर

मीडिया विशेषज्ञों ने सुधार के लिए कुछ प्रमुख सुझाव दिए हैं-

डिजिटल मीडिया पंजीकरण- सभी ऑनलाइन पोर्टलों को DIPR के साथ पंजीकृत करना अनिवार्य हो।

वेरिफिकेशन बैज- मान्यता प्राप्त पत्रकारों और पोर्टलों के लिए सरकारी सत्यापन प्रणाली।

प्रशिक्षण और प्रमाणन- डिजिटल पत्रकारों के लिए नैतिकता और रिपोर्टिंग पर कार्यशालाएँ।

जन-जागरूकता- नागरिकों को फेक और असली खबर में फर्क बताने के अभियान।

कानूनी ढांचा- मीडिया पहचान के दुरुपयोग और ऑनलाइन ब्लैकमेल पर कड़ी सज़ा।

विश्वसनीयता का संकट

फेक पत्रकारिता सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है — यह विश्वसनीयता का संकट है। अगर इसे रोका नहीं गया, तो यह जिम्मेदार पत्रकारिता की नींव को हिला देगा।

जैसे-जैसे सरकार फेक पत्रकारों पर नकेल कस रही है, असली पत्रकारों को उम्मीद है कि उनका पेशा फिर सम्मान पाएगा। पर यह जंग केवल आदेशों या गिरफ्तारियों से नहीं जीती जाएगी — इसके लिए ज़रूरी है जनता का भरोसा लौटाना, मीडिया नैतिकता को पुनर्जीवित करना और पत्रकारिता और अवसरवाद में स्पष्ट रेखा खींचना। आखिरकार, माइक का काम सच की आवाज़ बुलंद करना है, झूठ की नहीं।

सांसद खेल महोत्सव 2025 - ईस्ट दिल्ली' का 06 नवंबर से होगा भव्य आगाज

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में खेल और युवाओं के जोश का शानदार संगम देखने को मिलेगा, जब 'सांसद खेल महोत्सव 2025 - ईस्ट दिल्ली' का शुभारंभ 06 नवंबर 2025 को ईस्ट विनोद नगर स्टेडियम में होगा। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन के अनुरूप है, जिसके तहत भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य रखा गया है। यह महोत्सव फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने, प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करने और खेलों को राष्ट्रीय विकास का अहम हिस्सा बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

तीन चरणों में होगा आयोजन

यह खेल महोत्सव 06 नवंबर से 07 दिसंबर 2025 तक तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जबकि 25 दिसंबर 2025 को इसका समापन समारोह भव्य रूप से मनाया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री (कॉरपोरेट मामलों एवं सड़क परिवहन और राजमार्ग) और ईस्ट दिल्ली से सांसद हर्ष मल्होत्रा करेंगे। वे युवाओं में खेल भावना और फिटनेस को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डालेंगे।

द. अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस चोट से पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव (शोल्डर मसल स्ट्रेन) की शिकायत है, जो उन्हें शनिवार को लाहौर में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले के दौरान लगी थी। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने फिलहाल ब्रेविस के स्थान पर किसी विकल्प खिलाड़ी का ऐलान नहीं किया है। 22 वर्षीय यह बल्लेबाज़ अब पाकिस्तान में ही रहकर रीहैब (पुनर्वास प्रक्रिया) से गुज़रेगा। इसके बाद टीम भारत दौरे पर जाएगी, जिसमें दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले शामिल हैं। ब्रेविस ने पाकिस्तान दौरे पर खेले गए सभी मैचों में हिस्सा लिया था, लेकिन उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा। उन्होंने टेस्ट और टी20 मिलाकर छह पारियों में सर्वाधिक 54 रन बनाए, जो गद्दाफी स्टेडियम में दूसरी पारी में आया था। वनडे करियर की बात करें, तो अब तक खेले छह मैचों में उनके नाम 110 रन हैं, जिसमें सर्वश्रेष्ठ स्कोर 49 है। इसके बावजूद ब्रेविस को दक्षिण अफ्रीका का भविष्य का सितारा माना जाता है। ब्रेविस की चोट से दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम और कमजोर हो गई है। टीम ने पहले से ही अपने प्रमुख ऑल-फॉर्मेट खिलाड़ियों जैसे एडन मार्करम और कगिसो रबाडा को आराम दिया है। वहीं, तेज गेंदबाज़ क्वेना मफाका और एनरिख नॉर्टजे पहले ही चोट के कारण बाहर हैं।

आद्या कौशल ने यूएस किड्स गोल्फ क्लासिक लेग में शानदार स्कोर कार्ड दर्ज किया

गुरुग्राम। गुरुग्राम की उभरती गोल्फर आद्या कौशल ने यूएस किड्स इंडिया दिल्ली-एनसीआर टूर के तीसरे चरण में बेहतरीन खेल दिखाते हुए गर्ल्स 9-10 आयु वर्ग में 5-अंडर 67 का शानदार स्कोर कार्ड दर्ज किया। यह मुकाबला क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में हुआ, जिसे महान गोल्फर जैक निकलॉस ने डिजाइन किया था। आद्या ने अपने आक्रामक खेल और सटीक स्ट्रोक्स से सबका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने पूरे राउंड में आठ बर्डी लगाईं–फ्रंट नाइन में लगातार चार (तीसरे से छठे होल तक) और बैक नाइन में लगातार तीन (13वें से 15वें होल तक)। हालांकि, इस दौरान उन्होंने तीन बार शॉट गंवाए, लेकिन उनका आत्मविश्वास और नियंत्रण बना रहा। आराध्या भटनागर ने भी शानदार प्रदर्शन किया और ईवन पार (सम स्कोर) खेलते हुए पांच बर्डी और पांच बोगी दर्ज कीं। वहीं नोएडा की नायशा सिन्हा ने गर्ल्स अंडर-8 वर्ग में बिना किसी बोगी के 3-अंडर का स्कोर बनाया और खिताब अपने नाम किया। गर्ल्स 13-14 वर्ग में नैना कपूर ने 2-ओवर 74 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की, जबकि गुरुग्राम की आलिया कालरा ने गर्ल्स 11-12 वर्ग में अन्य दावेदारों को प्ले-ऑफ में हराकर खिताब जीता। लड़कों के वर्ग में गुरुग्राम के वेदांत पॉल ने बॉयज 13-14 श्रेणी में 1-ओवर 73 का स्कोर बनाकर शानदार प्रदर्शन किया।

भानु प्रताप और दौलत हुसैन कॉलेज सेमीफाइनल में

प्रयागराज। भानु प्रताप सिंह क्लब ने शुआट्स क्लब को पांच विकेट और दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ने किशोरी लाल क्लब को 234 रन से हराकर असद कासिम स्मृति राज्य स्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भानु प्रताप क्लब के ऑफ स्पिनर सनातन राय ने (5.3-0-19-5) और दौलत हुसैन इंटर कॉलेज के वामहस्त स्पिनर विराट गुप्ता (6-5-05-6) जहां गेंदबाजी में चमके, वहीं बल्लेबाजी में दौलत हुसैन के सूरज चौहान (88 रन नाबाद), शोएब खान (70 रन), मोहम्मद अहमद (59) और हर्षित जी सहाय (58 नाबाद) ने अर्धशतकीय पारी खेली। मजीदिया कॉलेज मैदान पर टॉस जीतकर शुआट्स क्लब की टीम ने 31.3 ओवर में 123 रन (शादान अब्बास रिजवी 42, रेहान वजाहत 31, सनातन राय 5-19, सुमित यादव 3-26, दिव्यांश यादव 2-16) बनाए।

सिराज, राहुल, कुलदीप और बावुमा की नजर अच्छी तैयारी पर

एजेंसी

बेंगलुरु : भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत पहले मैच की तरह अपनी फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी गुरुवार से यहां तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में लाल गेंद से महत्वपूर्ण मैच अभ्यास हासिल करने की कोशिश करेंगे। पंत ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के इसी मैदान पर पिछले सप्ताह खेले गए पहले मैच में विकेटकीपर के रूप में 139.3 ओवर बिना किसी परेशानी के खेले और साथ ही बल्लेबाज के रूप में 133 गेंदें खेली। उन्होंने दूसरी पारी में 90 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी फॉर्म का भी अच्छा परिचय दिया। फिटनेस की चिंता पूरी तरह से पीछे छूट जाने के बाद बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के

खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले एक बार फिर अपने खेल के चरम पर पहुंचने की कोशिश करेगा। सिराज, केएल राहुल और कुलदीप स्वदेश लौटने से पहले भारत के ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे का हिस्सा थे और अब वे दक्षिण अफ्रीका ए जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ अपने लाल गेंद के कौशल को निखार सकते हैं। पहले मैच में भारतीय टीम ने तीन विकेट से जीत हासिल की थी और दक्षिण अफ्रीका की टीम अब श्रृंखला बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। बल्लेबाजों के नजरिए से दक्षिण अफ्रीका ए के तेज गेंदबाजों ने पहले मैच के अंतिम दिन शॉर्ट पिच गेंद की रणनीति का अच्छा इस्तेमाल किया और पंत सहित अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था। दक्षिण अफ्रीका की सीनियर टीम 14 नवंबर से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला में इस रणनीति पर चलती है या नहीं यह तो समय ही बताएगा लेकिन उसके कप्तान बावुमा यहां फिर से इसको परखने की कोशिश कर सकते हैं। यहां की पिच से तेज गेंदबाजों को लगातार उछाल के रूप में काफी मदद मिल रही है और अगर दक्षिण अफ्रीका अपनी रणनीति पर कायम रहता है तो फिर यहां खेलने वाले भारतीय बल्लेबाजों को दो सप्ताह बाद कागिसो रबाडा और मार्को यानसन जैसे तेज गेंदबाजों का सामना करने से पहले अच्छी तैयारी का मौका मिलेगा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो जल्द ही लेंगे संन्यास, कहा- मैं अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर

एजेंसी

नई दिल्ली। पुर्तगाल और अल नास्र के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने खुलासा किया है कि वे जल्द ही फुटबॉल से संन्यास लेने की तैयारी में हैं। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने कहा कि उनका शानदार करियर अपने अंतिम पड़ाव पर है और जब वह इस खेल को अलविदा कहेंगे, तो यह बेहद भावुक क्षण होगा।रोनाल्डो ने पीयर्स मॉर्गन अनसेंसर्ड को दिए इंटरव्यू में अपने रिटायरमेंट और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'जल्द ही... लेकिन मैं तैयार रहूंगा। यह कठिन होगा, हां, मैं शायद रो भी दूं। मैं एक भावुक इंसान हूं। लेकिन मैंने 25-26 साल की उम्र से ही अपने भविष्य की तैयारी शुरू कर दी थी, इसलिए मुझे विश्वास है कि मैं इसे संभाल पाऊंगा।' दुनिया के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल रोनाल्डो ने अब तक अपने करियर में 952 गोल दागे हैं। उन्होंने कहा कि फुटबॉल के बाद का जीवन वे अपने परिवार और निजी रुचियों को समर्पित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'फुटबॉल में गोल करने का जो एड्रेनालिन होता है, उसकी बराबरी कुछ नहीं कर सकता। लेकिन हर चीज़ की एक शुरुआत होती है और एक अंत भी। अब मैं अपने परिवार और बच्चों के साथ अधिक समय बिताना चाहता हूं। मैं क्रिस्टियानो जूनियर के साथ रहना चाहता हूं क्योंकि वह अब उस उम्र में है जहां बच्चे कई बार गलतियां करते हैं। माटेओ को भी फुटबॉल बहुत पसंद है।' रोनाल्डो ने यह भी बताया कि वे अब अपने दोस्तों के साथ पैडल खेल का आनंद ले रहे हैं। रोनाल्डो ने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत स्पोर्टिंग लिस्बन से की थी।

सूर्यकुमार यादव ने एबी डिविलियर्स से मांगी मदद, करियर बचाने की लगाई गुहार

एजेंसी

वेलिंगटन। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स से अपने वनडे करियर को दोबारा संवारने में मदद मांगी है। 2023 विश्व कप के बाद से टीम इंडिया की 50 ओवर की टीम से बाहर चल रहे सूर्यकुमार ने माना कि वह वनडे और टी20 प्रारूपों के बीच सही संतुलन नहीं बना पाए। उन्होंने खुलकर कहा कि वह डिविलियर्स से मिलना चाहते हैं ताकि समझ सकें कि उन्होंने दोनों फॉर्मेट्स में किस तरह निरंतरता बनाए रखी। सूर्यकुमार ने एक सीधे अपील की कि 'कृपया मुझसे संपर्क करें, मुझे आपकी मदद चाहिए।' सूर्यकुमार यादव ने अब तक भारत के लिए 37 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 25.76 की औसत से 773 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम चार अर्धशतक हैं, लेकिन कोई शतक नहीं। उनका वनडे करियर, खासकर 2023 विश्व कप के बाद, संघर्ष भरा रहा है। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी

पारी बेहद धीमी रही, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद से चयनकर्ताओं ने उन्हें वनडे फॉर्मेट से बाहर कर दिया। हालांकि टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार की छवि अब भी एक धमाकेदार बल्लेबाज़ की है, वनडे में वह उस सफलता को दोहरा नहीं पाए हैं। हाल ही में पत्रकार विमल कुमार से बातचीत में सूर्यकुमार ने खुलासा किया कि वह जल्द ही एबी डिविलियर्स से मिलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने वनडे और टी20 के बीच संतुलन कैसे बनाए रखा। मैंने वनडे को टी20 की तरह खेलने की कोशिश की, लेकिन यह तरीका काम नहीं आया।' सूर्यकुमार ने स्वीकार किया कि सीमित ओवरों के इन दोनों प्रारूपों में एक समान मानसिकता अपनाना उनकी सबसे बड़ी गलती रही। उन्होंने कहा कि अब वह आने वाले तीन-चार वर्षों में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं।

मार्नस लाबुशेन की एशेज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी, पहले टेस्ट के लिए इन खिलाड़ियों को मौका

एजेंसी

गोल्ड कोस्ट : लगातार लचर प्रदर्शन के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाले मार्नस लाबुशेन की एशेज श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने इस अनुभवी बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बुधवार को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया। लाबुशेन खराब फॉर्म के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस बीच उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वह वापसी करने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले मैच से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। उन्हें मैट रेनशॉ और सैम कोंस्टास पर तरजीह दी गई है, हालांकि अभी यह तय नहीं है कि उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। वेदरल्ड पिछले साल शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में 50.33 की औसत से 906 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ शतक भी लगाया था। नियमित कप्तान पैट कमिंस की

अनुपस्थिति में स्टीव स्मिथ श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की अगुवाई करेंगे। कमिंस अभी भी पीठ के निचले हिस्से की समस्या से उबर रहे हैं। स्कॉट बोलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के साथ शामिल होने की उम्मीद है, जबकि तेज गेंदबाजी विकल्प के रूप में ब्रेंडन डोगेट और सीन एबॉट भी टीम में हैं। ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर और कैमरन ग्रीन को भी टीम में शामिल किया गया है।

टीम इस प्रकार है : स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

हांगकांग सिक्सेज़ 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान, दिनेश कार्तिक संभालेंगे कप्तानी

एजेंसी

हांगकांग। क्रिकेट हांगकांग चाइना ने हांगकांग सिक्सेज़ 2025 टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया की पूरी टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम की कमान अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को सौंपी गई है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कुछ दमदार घरेलू प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर भी शामिल किए गए हैं। दिनेश कार्तिक अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभव और दबाव की स्थितियों में शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। रॉबिन उथप्पा, जिन्होंने पिछले साल टीम इंडिया की कप्तानी की थी, इस बार भी टीम का हिस्सा होंगे। 2007 टी20 वर्ल्ड कप विजेता उथप्पा ने 2024 संस्करण में ओमान के खिलाफ मात्र 13 गेंदों पर 52 रन की विस्फोटक पारी खेली थी और टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल रहे थे। भरत चिपली, जो पिछले संस्करण में भारत के शीर्ष स्कोरर रहे थे, इस बार भी टीम में बरकरार हैं। 42 वर्षीय चिपली ने 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 गेंदों पर नाबाद 53 रन की शानदार पारी खेली थी और कुल 156 रन बनाए थे। स्टुअर्ट बिन्नी एक ऑलराउंडर के रूप में टीम को संतुलन प्रदान करेंगे। भारत के लिए टेस्ट, वनडे

और टी20–तीनों प्रारूपों में खेल चुके बिन्नी बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने में सक्षम हैं, जो इस छोटे प्रारूप में टीम के लिए अहम साबित होगा। गेंदबाजी की अगुवाई अभिमन्यु मिथुन करेंगे, जिन्होंने भारत के लिए टेस्ट और वनडे दोनों खेले हैं। 330 से अधिक प्रथम श्रेणी विकेट लेने वाले मिथुन घरेलू क्रिकेट में बेहद अनुभवी हैं। झारखंड के शाहबाज नदीम बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में टीम में विविधता और नियंत्रण जोड़ेंगे। 2019 में भारत के लिए टेस्ट पदार्पण करने वाले नदीम लगातार घरेलू क्रिकेट में विकेट लेते रहे हैं। टीम में प्रियंक पांचाल भी शामिल हैं, जो तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाज हैं और हाल ही में घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। 8,800 से अधिक प्रथम श्रेणी रन बनाने वाले पांचाल टीम को स्थिरता प्रदान करेंगे।

भारत की पूरी टीम: दिनेश कार्तिक (कप्तान), रॉबिन उथप्पा, भरत चिपली, स्टुअर्ट बिन्नी, अभिमन्यु मिथुन, शहबाज नदीम, प्रियंक पांचाल

टीम इंडिया मैनेजर: कपिल अरोड़ा

भारत इस बार टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन कर अपने दूसरे हांगकांग सिक्सेज़ खिताब पर निशाना साधेगा। टीम इंडिया ने इससे पहले 2005 में यह खिताब जीता था। हांगकांग सिक्सेज़ एक तेज़ रफ्तार प्रारूप है, जिसमें हर टीम छह खिलाड़ियों की होती है और प्रत्येक पारी छह ओवर की होती है। 2025 संस्करण 7 से 9 नवंबर तक हांगकांग में खेला जाएगा।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः गॉफ ने पाओलीनी को हराकर किया टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी

रियाद। डिफेंडिंग चैंपियन अमेरिका की कोको गॉफ ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए इटली की जैस्मिन पाओलीनी को 6-3, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की और साथ ही पाओलीनी को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने अपने पिछले मुकाबले में हमवतन जेसिका पेगुला के खिलाफ 17 डबल फॉल्ट किए थे, लेकिन इस बार उन्होंने केवल तीन ही डबल फॉल्ट किए और पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा। गॉफ ने मैच के बाद कहा, 'मुझे पता था कि यह जीत टूर्नामेंट में बने रहने के लिए जरूरी है। अगर मैं हारती, तो बाहर हो जाती।' पहले सेट में गॉफ ने मात्र 10 मिनट में 3-0 की बढ़त बना ली। पाओलीनी ने

अगला गेम जीतने के लिए नौ मिनट तक संघर्ष किया और तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, गॉफ ने फिर शानदार रिटर्न खेलते हुए 5-3 की बढ़त हासिल की और पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी गॉफ की रणनीति कारगर साबित हुई, जिसमें उन्होंने पाओलीनी को लगातार कोर्ट के एक सिरे से दूसरे सिरे तक दौड़ाया। परिणामस्वरूप, गॉफ ने दो बार लगातार ब्रेक हासिल कर 5-2 की बढ़त ली और एक दमदार सर्विस के साथ मैच जीत लिया। गॉफ ने कहा, 'मुझे लगा कि मैंने आज स्मार्ट सर्विस की। हालांकि मुझे नहीं लगता कि जैस्मिन 100फीसदी फिट थीं।'

क्रिकेटर को लगी नशीली दवाओं की लत, राष्ट्रीय टीम से हमेशा के लिए हुआ बाहर

एजेंसी

हरारे : जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेट कप्तान सीन विलियम्स को उनके देश के लिए फिर से नहीं चुना जाएगा क्योंकि उन्होंने खुलासा किया है कि नशीली दवाओं की लत के कारण उन्होंने कुछ मैच नहीं खेले थे, राष्ट्रीय महासंघ ने यह जानकारी दी। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस बात की जांच की कि सितंबर में टी20 विश्व कप क्वालीफाइंग प्रतियोगिता की पूर्व संध्या पर विलियम्स ने अचानक टीम से नाम वापस क्यों ले लिया। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने एक बयान में कहा, जांच के दौरान विलियम्स ने खुलासा किया कि वह नशीली दवाओं की लत से जूझ रहे हैं और स्वेच्छा से पुनर्वास में प्रवेश कर चुके हैं।' जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा कि विलियम्स का नाम प्रतियोगिता में संभावित नशीली दवाओं के परीक्षण के कारण हटने की संभावना है।

जिम्बाब्वे ने अगले साल की शुरुआत में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए 8 टीमों के अफ्रीकी टूर्नामेंट की मेजबानी की और उसे जीता भी। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया कि विलियम्स ने किस दवा का सेवन करने की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि उनका अनुशासनात्मक मुद्दों और बार-बार अनुपलब्धता का इतिहास रहा है, हालांकि इसने पुनर्वास में प्रवेश करने के लिए उनकी सराहना की। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा कि 39 वर्षीय बल्लेबाज के नाम पर राष्ट्रीय टीम में दोबारा विचार नहीं किया जाएगा और इस साल के अंत में समाप्त होने पर उनके अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। विलियम्स ने 2005 में जिम्बाब्वे के लिए पदार्पण किया और 20 वर्षों तक अपने देश के लिए खेलते रहे। उन्होंने 24 टेस्ट, 164 एकदिवसीय और 85 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उनका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर 154 रन पिछले दिसंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ आया था। जिम्बाब्वे के एक अन्य पूर्व कप्तान ब्रेंडन टेलर ने 2022 में कहा था कि कोकीन के सेवन के कारण उन्हें मैच फिक्सर्स द्वारा ब्लैकमेल किया गया था। टेलर ने किसी भी मैच में फिक्सिंग से इनकार किया, लेकिन भारत दौरे पर फिक्सरों से 15,000 डॉलर लेने की बात स्वीकार की। क्रिकेट के भ्रष्टाचार-रोधी नियमों का उल्लंघन करने और कोकीन मेटाबोलाइट के लिए सकारात्मक परीक्षण के कारण उन पर साढ़े तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया गया। 39 वर्षीय टेलर प्रतिबंध पूरा करने के बाद अगस्त में राष्ट्रीय टीम में वापस लौट आए।

रणजी ट्रॉफी : मोहसिन को 6 विकेट, कर्नाटक ने केरल को बड़े अंतर से हराया

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम : मोहसिन खान के छह विकेट से कर्नाटक ने यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच के चौथे और अंतिम दिन पिछले साल के उप विजेता केरल को पारी और 164 रन से रौंद दिया। मोहसिन ने 29 रन देकर छह विकेट चटकाए जिससे केरल की टीम फॉलोआन खेलते हुए दूसरी पारी में 184 रन पर ढेर हो गई। कर्नाटक को इस जीत से बोनस अंक सहित सात अंक मिले।

कर्नाटक ने पहली पारी पांच विकेट पर 585 रन बनाकर घोषित की थी जिसके जवाब में केरल की टीम पहली पारी में 238 रन ही बना सकी थी। इंदौर में मध्य प्रदेश ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ ड्रॉ हुए मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। पहली पारी में 74 रन की बढ़त हासिल करने वाले मध्य प्रदेश ने दूसरी पारी में जब तीन विकेट पर 73 रन बनाकर कुल 147 रन की बढ़त हासिल की तब दोनों कप्तान मैच ड्रॉ कराने को राजी हो गए। छत्तीसगढ़ को एक अंक मिला।

चंडीगढ़ में गोवा ने पंजाब के खिलाफ पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। मेजबान टीम को एक अंक मिला। पंजाब के 325 रन के जवाब में गोवा ने छह विकेट पर 494 रन पर पारी घोषित करके 171 रन की बढ़त हासिल की थी। पंजाब ने दूसरी पारी में जब चार विकेट पर 179 रन बनाए जो मैच ड्रॉ करा दिया गया। निहाल वढेरा ने नाबाद 55 जबकि रमनदीप सिंह ने नाबाद 36 रन की पारी खेली। नासिक में महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के बीच मैच नीरस ड्रॉ रहा। सौराष्ट्र ने पहली पारी पांच विकेट पर 394 रन बनाकर घोषित की थी जिसके जवाब में मौसम से प्रभावित मैच में मेजबान टीम ने पहली पारी में एक विकेट पर 55 रन बनाए। दोनों टीम की पहली पारी भी पूरी नहीं होने के कारण दोनों को एक-एक अंक मिला।

धर्मशाला में शुरू हुई 40वीं राज्य स्तरीय अंडर-14 एथलेटिक्स प्रतियोगिता

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला में हिमाचल स्कूल खेल संगठन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 40वीं राज्य स्तरीय अंडर-14 वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने किया। धर्मशाला के सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक मैदान में प्रतियोगिता की शुरुआत सरस्वती वंदना और ध्वजारोहण के साथ हुई। इस अवसर पर उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि धर्मशाला को इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अवसर मिलना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों से आए बच्चे न केवल अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे बल्कि उन्हें इस क्षेत्र की संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य को भी देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे खेल आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। केवल किताबी शिक्षा पर्याप्त नहीं होती, बल्कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। यह प्रतियोगिताएं न केवल राज्य स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने का अवसर देती हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिभाओं की पहचान करने में भी सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कि खेल अब जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं और यह आवश्यक है कि स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में खेल गतिविधियों को प्रमुखता दी जाए, ताकि बच्चे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक और शारीरिक रूप से सक्रिय बने रहें।

पूर्व गेंदबाज ने बांग्लादेश की मौजूदा कप्तान पर लगाए गंभीर आरोप, कहा- जूनियर खिलाड़ियों को पीटती है निगार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व स्टार तेज गेंदबाज जहांआरा आलम ने राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान निगार सुल्ताना जोटी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह टीम की जूनियर खिलाड़ियों को 'पीटती' हैं। एक बांग्लादेशी अखबार से बातचीत में आलम ने टीम के अंदर 'विषाक्त माहौल' और 'अनुचित व्यवहार' की बात कही। हालांकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने इन आरोपों को निराधार और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया। इस विवाद ने देश के महिला क्रिकेट ढांचे और खिलाड़ियों के बीच संबंधों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

जहांआरा आलम के गंभीर आरोप

32 वर्षीय आलम ने 'कलेर कंथो' अखबार से बातचीत में दावा किया कि कप्तान निगार सुल्ताना जोटी ने कई मौकों पर जूनियर खिलाड़ियों के साथ हाथापाई की है। उन्होंने कहा, 'यह कोई नई बात नहीं है। जोटी जूनियर खिलाड़ियों को बहुत पीटती हैं। इस विश्व कप के दौरान भी कुछ खिलाड़ियों ने मुझसे कहा कि अगर गलती हुई तो फिर थप्पड़ पड़ेंगे।' आलम का कहना है कि दुबई दौरे के दौरान भी एक जूनियर खिलाड़ी को कमरे में बुलाकर थप्पड़ मारे गए। उन्होंने जोड़ा कि खिलाड़ियों में डर का माहौल बना हुआ है और टीम का वातावरण मानसिक रूप से बेहद तनावपूर्ण हो गया है।

मानसिक स्वास्थ्य और टीम का वातावरण

जहांआरा आलम ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में टीम के अंदर का माहौल इतना बिगड़ गया कि उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल से दो महीने का ब्रेक लिया। उन्होंने कहा, 'मैं अकेली नहीं हूं। टीम में लगभग हर खिलाड़ी किसी न किसी स्तर पर इसका शिकार है। यहाँ कुछ खिलाड़ियों को विशेष सुविधाएँ दी जाती हैं जबकि बाकी को नजरअंदाज़ कर दिया जाता है।' आलम ने 2021 से टीम प्रबंधन पर वरिष्ठ खिलाड़ियों को अलग-थलग करने का आरोप लगाया। उनके मुताबिक, कोविड के बाद हुए घरेलू कैंपों में उन्हें और अन्य सीनियर खिलाड़ियों को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया।

करियर और योगदान

जहांआरा आलम ने बांग्लादेश के लिए 52 वनडे में 48 विकेट और 83 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 60 विकेट लिए हैं। वह टीम की सबसे अनुभवी गेंदबाज़ों में से एक रही हैं और कई अहम मैचों में देश को जीत दिलाई है। उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2023 में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। आलम ने कहा कि वह अब भी खेलना चाहती हैं, लेकिन मौजूदा माहौल के कारण वापसी मुश्किल हो गई है।

बीसीबी का जवाब

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने इन सभी आरोपों को तुरंत खारिज करते हुए कहा कि यह सब 'मनगढ़ंत और असत्य' है। अपने आधिकारिक बयान में बोर्ड ने कहा, 'बीसीबी इन आरोपों का स्पष्ट रूप से खंडन करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे समय में, जब टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय प्रदर्शन कर रही है, इस तरह के झूठे और निंदनीय दावे किए गए हैं।' बोर्ड ने आगे कहा कि जहाँआरा आलम का अब राष्ट्रीय सेटअप से कोई संबंध नहीं है और उनके दावे 'दुर्भावनापूर्ण' लगते हैं।

कप्तान जोटी की चुप्पी

कप्तान निगार सुल्ताना जोटी, जिन पर ये आरोप लगाए गए हैं, ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। वह बांग्लादेश महिला क्रिकेट की सबसे सफल कप्तानों में गिनी जाती हैं और हाल के वर्षों में टीम को कई उल्लेखनीय जीत दिलाई है। बीसीबी ने यह भी कहा कि उसे जोटी, टीम प्रबंधन और मौजूदा खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है और अब तक किसी तरह के दुर्व्यवहार का सबूत नहीं मिला है।

डीजीसीए एयरलाइंस कंपनियों के साथ मासिक समीक्षा बैठकें करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) आज से अगले तीन दिनों तक विभिन्न एयरलाइंस कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आज एयर इंडिया और इंडिगो के लिए समीक्षा बैठकें होंगी। बैठक में समय पर कार्य निष्पादन, उड़ान की समय-सीमाएं, ग्राहक शिकायतों का निवारण तथा एयरलाइनों को संचालन के दौरान आने वाली चुनौतियों सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। हाल के दिनों में विमानन कंपनियों को बम की झूठी धमकियों, विमानों में तकनीकी समस्याओं, उड़ानों के रद्द होने और देरी आदि समस्याओं का सामना करना पड़ा है। डीजीसीए नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में एक नियामक संस्था है, जो मुख्य रूप से सुरक्षा संबंधी मुद्दों से निपटती है। ये घरेलू हवाई परिवहन सेवाओं के विनियमन और नागरिक हवाई नियमों, हवाई सुरक्षा और उड़ान योग्यता मानकों के प्रवर्तन के लिए ज़िम्मेदार है।

इंडिगो के पूर्व सीओओ संजय कुमार को स्पाइसजेट ने कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। बजट एयरलाइंस कपनी स्पाइसजेट ने अनुभवी विमानन पेशेवर एवं इंडिगो के पूर्व मुख्य रणनीति एवं राजस्व अधिकारी संजय कुमार को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। स्पाइसजेट ने जारी एक बयान में कहा कि रणनीतिक विकास, परिवर्तन और विस्तार योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए संजय कुमार को 3 नवंबर से कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। कुमार कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी भूमिका में एयरलाइंस की रणनीतिक पहलों का नेतृत्व करेंगे। वह सीधे विमान कंपनी स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह के अधीन काम करेंगे। कंपनी ने बताया कि कार्यभार संभालने वाले कुमार सीधे स्पाइसजेट के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह को रिपोर्ट करेंगे। संजय कुमान ने इंडिगो में 12 वर्षों तक मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी और तीन वर्षों तक मुख्य रणनीति एवं राजस्व अधिकारी के रूप में कार्य किया। इसके अलावा वह एक वर्ष से अधिक समय तक एयरएशिया इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी भी रहे।

भारत और रोमानिया ने मजबूत व्यापार और निवेश संबंधों पर चर्चा की

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बुखारेस्ट में रोमानिया की विदेश मंत्री ओआना-सिल्विया त्सोइउ के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग को और गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक मंत्रियों ने इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच स्थिर व्यापार और निवेश संबंधों की समीक्षा की गई। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने इस वर्ष चल रही वार्ताओं के लिए निर्धारित राजनीतिक दिशा के अनुरूप निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने की दिशा में कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने इस बैठक के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग सामग्रियों, दवाइयों और सिरेमिक जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आपूर्ति-श्रृंखला से जुड़े संबंधों को और बढ़ाने तथा दोनों पक्षों की बाज़ार तक पहुंच में वृद्धि के लिए मानकों के निर्माण, परीक्षण और निवेश साझेदारी में सहयोग को सुगम बनाने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने उत्पादन में विविधता लाने तथा विश्वसनीय साझेदारों के रूप में मज़बूत और अधिक सामर्थ्यवान आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर भी सहमति व्यक्त की ताकि दोनों देशों के व्यवसायों में स्थिरता आए और आपसी विश्वास सुनिश्चित हो सके।

अडानी एंटरप्राइजेज की आमदनी छह प्रतिशत घटी, मुनाफा बढ़ा

अहमदाबाद। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की कुल आमदनी दूसरी तिमाही में समग्र आधार पर छह प्रतिशत घटकर 21,844 करोड़ रुपये रह गयी। कंपनी के घोषित वित्तीय परिणामों में बताया गया है कि तिमाही के दौरान उसका परिचालन लाभ 66.19 प्रतिशत घटकर 814.35 करोड़ रुपये रह गया। दो अलग-अलग सौदों से प्राप्त 3,583 करोड़ रुपये की आमदनी के कारण शुद्ध मुनाफा 84 प्रतिशत बढ़कर 3,199 करोड़ रुपये पर रहा। वित्तीय परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहा कि अनुशासित काम और रणनीतिक विविधता के दम पर अडानी एंटरप्राइजेज ने अवसंरचना और ऊर्जा कारोबार में अपनी स्थिति मजबूत की है। उन्होंने कहा कि तिमाही के दौरान नवी मुंबई हवाई अड्डे का उद्घाटन देश की अवसंरचना की कहानी को नये सिरे से परिभाषित करने वाला है। एयरपोर्ट, डाटा सेंटर और सड़क क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन अवसंरचना पोर्टफोलियो में कंपनी के मजबूत प्रदर्शन को दिखाता है। देश से सबसे बड़े डाटा सेंटर के लिए गूगल के साथ समझौता और हरित ऊर्जा में तेज प्रगति के साथ अडानी एंटरप्राइजेज कंपनी देश के हरित और प्रौद्योगिकी आधारित भविष्य का निर्माण कर रहा है।

राजपुताना स्टेनलेस, स्काईवेज एयर सर्विसेज और जर्मन ग्रीन स्टील एंड पावर के आईपीओ को सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में 3 नई कंपनियां दस्तक देने वाली है। पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने राजपुताना स्टेनलेस सहित तीन कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंजूरी दी है। इन कंपनियों में राजपुताना स्टेनलेस, स्काईवेज एयर सर्विसेज और जर्मन ग्रीन स्टील एंड पावर शामिल है। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने इन कंपनियों के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) पर अपनी ऑब्जर्वेशन जारी कर दी है। ये कंपनियां अब अगले एक साल के भीतर अपना आईपीओ ला सकती हैं। वहीं, जिन कंपनियों ने कॉन्फिडेंशियल रूट से आईपीओ दाखिल किया है, उन्हें आईपीओ लॉन्च करने के लिए 18 महीने का वक्त मिलेगा। गुजरात स्थित राजपुताना स्टेनलेस ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक

सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जून में दोबारा दाखिल किया था। ये कंपनी कुल 2.09 करोड़ शेयरों का आईपीओ लाएगी, जिसमें 1.46 करोड़ फ्रेश शेयर और 62.5 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि वह अपने आईपीओ के जरिए जुटाई गई रकम का इस्तेमाल नया प्लांट लगाने और कर्ज घटाने में करेगी। 1991 में स्थापित राजपुताना स्टेनलेस कंपनी, आरएसएल ब्रांड नाम के तहत बिलेट, फोर्जिंग इनगॉट, रोल्ड ब्लैक बार, रोल्ड ब्राइट बार, फ्लैट और पट्टी और अन्य सहायक उत्पादों सहित लंबे और सपाट स्टेनलेस स्टील उत्पादों के निर्माण में लगी हुई है। ये कंपनी 80 से ज्यादा विभिन्न ग्रेड के स्टेनलेस स्टील में अपने उत्पाद पेश करती है, जो विविध तकनीकी और अनुप्रयोग-विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने की इसकी क्षमता को दर्शाता है। नई दिल्ली स्थित एयर फ्रेट और लॉजिस्टिक्स कंपनी स्काईवेज एयर सर्विसेज ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार निरयामक सेबी के समक्ष 30 जून को ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। स्काईवेज एयर सर्विसेज के 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 3,29,17,700 शेयरों तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे।

एसबीआई का दूसरी तिमाही में मुनाफा 10 फीसदी बढ़कर 20160 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर के समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा 10 फीसदी बढ़कर 20,160 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 18,331 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। स्टेट बैंक ने जारी एक बयान में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में उसकी कुल आय सालाना आधार पर 1,29,141 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,34,979 करोड़ रुपये हो गई। इस अवधि में अर्जित ब्याज बढ़कर 1,19,654 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 1,13,871 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 30 सितंबर, 2025 तक सकल अग्रिमों के 1.73

फीसदी तक घट गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 2.13 फीसदी रही थी। इसी प्रकार बैंक के शुद्ध एनपीए या खराब ऋण भी अग्रिमों के 0.42 फीसदी पर आ गए हैं, जो एक साल पहले इसी अवधि में 0.53 फीसदी थे। एसबीआई समूह का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात फीसदी बढ़कर 21,137 करोड़ रुपये हो गया।

सर्राफा बाजार में सस्ती हुई चांदी, एक दिन में 5,100 रुपये तक घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में भी लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में 4,000 रुपये से लेकर 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आ गई है। इस गिरावट के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत गिर कर 1,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं, बेंगलुरु में चांदी 1,51,000 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,50,400 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे

अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के बावजूद 1,64,900 रुपये के स्तर पर बनी हुई है। चेन्नई और हैदराबाद में चांदी पिछले 3 सप्ताह के दौरान 42 हजार रुपये से ज्यादा सस्ती हो चुकी है। इन दोनों शहरों में 15 अक्टूबर को चांदी 2,07,700 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार कर रही थी, लेकिन अब इन दोनों शहरों में इसकी कीमत में 42,800 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आ चुकी है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, शादी के सीजन में ग्राहकों को राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आज 650 रुपये से 830 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। कीमत में आई उस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,22,450 रुपये से लेकर 1,22,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,12,240 रुपये से लेकर 1,12,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चेन्नई में आज भी सोना सबसे ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। हालांकि यहां सोने की कीमत में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। यहां सोना 1,020 रुपये से लेकर 1,110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,22,500 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,450 रुपये प्रति आज 1,22,720 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,12,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता

10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,22,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना में 24 कैरेट सोना 1,22,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,22,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,12,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा : वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत वैश्विक मंच पर आज एक तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने यहां दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई) में छात्रों को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने हीरक जयंती समापन व्याख्यान देते हुए कहा, हम ऐसे समय में हैं जब भारत कई अलग-अलग मानकों पर खासकर आर्थिक, तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश आज अपनी आर्थिक मजबूती के कारण ही ऊंचा स्थान प्राप्त कर रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बेशक, भारत और उसकी जनसंख्या, भारत और वैश्विक मानचित्र पर उसका स्थान, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। लेकिन भारत आज एकजुट होकर अपनी आर्थिक मजबूती के कारण अपने पैरों पर मजबूती से खड़ा है। सीतारमण ने कहा कि भारत जल्द ही

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि मैं यह नहीं कह रही कि हम अभी विकसित देश बन गए हैं, क्योंकि विकसित भारत 2047 हमारे सामने है। 2014 में दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं, जल्द ही चौथी और शायद जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक की हमारी तेज प्रगति ही हमें अलग बनाती है। उन्होंने कहा कि लगभग 2.5 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है। उन्होंने भारत-केंद्रित अनुसंधान और नीतिगत जुड़ाव को मज़बूत करने और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के अनुकूल मॉडल विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। सीतारमण ने यह भी कहा कि सीमा शुल्क नियमों में सुधार के लिए महत्वपूर्ण प्रयास चल रहे हैं। सीतारमण ने भरोसा जताया कि सरकार चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 फीसदी राजकोषीय घाटे के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहेगी। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह और दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक प्रोफेसर राम सिंह भी उपस्थित थे। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 फीसदी यानी 15.69 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है।

एचडी कुमारस्वामी ने पीएलआई योजना के तीसरे चरण पीएलआई 1.2 को किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने विशेष इस्पात के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तीसरे चरण पीएलआई 1.2 का शुभारंभ किया। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने इसको लॉन्च किया। इस पहल को आत्मनिर्भर भारत विजन के तहत भारत को वैश्विक इस्पात केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने यहां विशिष्ट इस्पात के लिए पीएलआई योजना के तीसरे चरण का शुभारंभ किया। इस्पात मंत्रालय की पीएलआई योजना ने अब तक 43,874 करोड़ रुपये के निवेश, 30,760 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और योजना में चिन्हित 14.3 मिलियन टन 'विशिष्ट इस्पात' के अनुमानित उत्पादन की प्रतिबद्धता हासिल की है। मंत्रालय के मुताबिक सितंबर, 2025 तक इस योजना के पहले दो दौर में भाग लेने वाली कंपनियों ने 22,973 करोड़ रुपये का निवेश किया है और 13,284 रोजगार सृजित किए हैं। जुलाई 2021 में कैबिनेट के द्वारा अनुमोदित विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना, भारत को इस्पात उत्पादन का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण पहल है। तीसरे दौर (पीएलआई 1.2) का उद्देश्य उभरते और उन्नत इस्पात उत्पादों, जैसे सुपर एलॉय, सीआरजीओ, स्टेनलेस स्टील लॉन्ग और फ्लैट उत्पाद, टाइटेनियम एलॉय और कोटेड स्टील में नए निवेश को आकर्षित करना है। इससे महत्वपूर्ण रोजगार सृजन, उच्च-स्तरीय इस्पात क्षमता का विस्तार और विशेष इस्पात के लिए वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत को एक पसंदीदा आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने की उम्मीद है।

फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस में भी होगा प्री ओपन सेशन, 8 दिसंबर से एनएसई करेगा शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। इक्विटी फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) अगले महीने 8 तारीख से प्री ओपन सेशन शुरू करने जा रहा है। प्री ओपन सेशन की शुरुआत होने से कारोबारियों को रेगुलर सेशन शुरू होने के पहले ही स्टॉक फ्यूचर्स और इंडेक्स की चाल का पता लग जाएगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की ओर से ये कदम डेरिवेटिव मार्केट को भी इक्विटी कैश मार्केट की तरह ही प्री ओपन कॉल ऑप्शन की सुविधा देने के लिए उठाया जा रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की ओर से कहा गया है कि डेरिवेटिव मार्केट में भी स्टेबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए इक्विटी कैश मार्केट की तरह ही 15 मिनट के विंडो का इस्तेमाल किया जाएगा। एक्सचेंज की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के

अनुसार फ्यूचर एंड ऑप्शंस का प्री ओपन सेशन सुबह 9:00 बजे से लेकर 9:15 बजे तक चलेगा। इसमें सुबह 9:07 बजे से 9:08 बजे के बीच रैंडम क्लोजर तक ऑर्डर की एंट्री, मोडिफिकेशन और कैंसिलेशन की अनुमति होगी। इसके बाद सुबह 9:12 बजे तक मूल्य निर्धारण और ट्रेड का मिलान किया जाएगा। अंत में 3 मिनट के बफर के पश्चात सुबह 9:15 बजे से रेगुलर ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी। बताया जा रहा है कि ये सुविधा शुरुआत में सिंगल स्टॉक्स और इंडेक्सों पर चालू महीने के वायदा सौदों पर लागू होगी और एक्सपायरी से पहले अंतिम पांच कारोबारी दिनों में अगले माह के कॉन्ट्रैक्ट्स तक लागू होगी। फिलहाल ऑप्शन, स्प्रेड और कॉर्पोरेट-एक्शन एक्स-डेट इस सुविधा से बाहर रखे गए हैं। ऑक्शन के दौरान ट्रेडर्स को रियल टाइम बेसिस पर इंडीकेटिव ओपनिंग प्राइस और ऑर्डर इम्बैलेंस डेटा दिखाई देगा। लिमिट और मार्केट दोनों ऑर्डर की अनुमति होगी। लेकिन स्टॉप-लॉस और आईओसी ऑर्डर (इमेडिएट ऑर कैंसल ऑर्डर) प्री-ओपन में प्रतिबंधित किए गए हैं। बेमेल लिमिट ऑर्डर, ओरिजनल टाइम-स्टैम्प के साथ नॉर्मल मार्केट में चले जाएंगे, जबकि बेमेल मार्केट ऑर्डर डिस्कवर्ड ओपनिंग प्राइस पर लिमिट ऑर्डर में बदल जाएंगे।

श्रीजी ग्लोबल का आईपीओ लॉन्च, 7 नवंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड का 85 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 125 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 2 लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2.50 लाख रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 68 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 3 नवंबर सोमवार को श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड ने 5 एंकर इनवेस्टर्स से 14.53 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में क्राफ्ट इमर्जिंग मार्केट फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा। इसने कंपनी से 3.20 लाख शेयर खरीदे। इसके अलावा, बीकॉन स्टोन कैपिटल, चाणक्या अपॉर्च्यूनिटी फंड, इनक्यूब ग्लोबल अपॉर्च्यूनिटीज और सीटाडेल कैपिटल फंड जैसे नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 28.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 46.56 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 19.94 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इंटरैक्टिव फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं, एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जबकि एसवीसीएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड और बीएन राठी सिक्योरिटीज लिमिटेड कंपनी के मार्केट मेकर हैं।

हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन गोपीचंद पी. हिंदुजा का लंदन में निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। जाने-माने उद्योगपति और हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद पी. हिंदुजा का लंदन में आज निधन हो गया है। वह 85 वर्ष के थे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1959 में मुंबई में हिंदुजा समूह से ही की थी। परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि उद्योग जगत में 'जीपी' के नाम से मशहूर गोपीचंद पी. हिंदुजा पिछले कुछ

हफ्तों से अस्वस्थ थे। लंदन के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद पी. हिंदुजा ने अपने बड़े भाई श्रीचंद हिंदुजा के देहांत के बाद 2023 में चेयरमैन का पद संभाला था। इस वर्ष संडे टाइम्स रिच लिस्ट में गोपीचंद हिंदुजा और हिंदुजा फैमिली ने ब्रिटेन के सबसे अमीर लोगों के रूप में अपनी बादशाहत बरकरार रखी थी। गोपीचंद पी. हिंदुजा चार भाइयों में दूसरे नंबर के थे। उनसे बड़े श्रीचंद हिंदुजा थे, जिनका देहांत 2023 में हो गया था। गोपीचंद के बाद अब प्रकाश पी. हिंदुजा और अशोक पी. हिंदुजा जीवित हैं। गोपीचंद पी. हिंदुजा की पत्नी का नाम सुनीता हिंदुजा है। उनके 2 बेटे और एक बेटी है। उनके बेटों का नाम संजय और धीरज है। बेटी का नाम रीता है।

बिकवाली के दबाव में तेज गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 655 अंक टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। सिर्फ 1 दिन की मामूली बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार आज एक बार फिर तेज गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में मामूली तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये दोनों सूचकांक लगातार गिरते चले गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और निफ्टी 0.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 469.79 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 472.51 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.72 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,329 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,618 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,546 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 165 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,847 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 882 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,965 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 9 शेयर हरे निशान में और 41 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 22.15 अंक की मामूली तेजी के साथ 84,000.64 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 89.52 अंक की मजबूती के साथ 84,068.01 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 655 अंक से अधिक टूट कर 565.72 अंक की गिरावट के साथ 83,412.77 अंक तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 40 अंक की रिकवरी करके 519.34 अंक की कमजोरी के साथ 83,459.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 18.60 अंक लुढ़क कर 25,744.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 25,787.40 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। इसके बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक दोबारा लाल निशान में गिर गया।

अमेरिका के सबसे प्रभावशाली उपराष्ट्रपति रहे रिचर्ड ब्रूस डिक चेनी का निधन

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति रिचर्ड ब्रूस डिक चेनी का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिजनों के यहां जारी एक बयान के मुताबिक उनकी मृत्यु निमोनिया एवं हृदय तथा धमनियों संबंधी स्वास्थ्य जटिलताओं के कारण हुई। उनके शोक संतप्त परिवार में पत्नी के अलावा तीन पुत्रिया हैं। युद्ध, शक्ति और विवादों से जुड़े चेनी पूर्व राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल में 2001 में अमेरिका के 46वें उपराष्ट्रपति बने थे। अमेरिका पर 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकवादी हमलों के बाद 'ग्लोबल वार आन टैरर' की नींव रखने वाले चेनी देश के इतिहास के सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली उपराष्ट्रपति थे। उन्होने 1991 में खाड़ी युद्ध की शुरूआत करते हुए इराक पर जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति बुश ने उनके निधन पर गहरा शोक जताते हुए कहा, वह मेरे सबसे करीबी दोस्त थे। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। चेनी वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के मुखर विरोधी थे।

मेक्सिको में सुरक्षाबलों की कार्रवाई में 13 हमलावर मारे गये

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के तटीय सिनालोआ राज्य में नशीले पदार्थों और अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े संगठित गिरोह और सरकारी सुरक्षाबलों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 13 लोग मारे गए हैं। सुरक्षा मंत्री ओमर गार्सिया हार्फुच ने बताया की दोपहर बाद हुई इस घटना में सशस्त्र अपराधियों ने सरकारी सुरक्षा अधिकारियों पर गोलीबारी की जिसकी जवाबी कार्रवाई में 13 हमलावर मारे गए हैं। हार्फुच ने कहा कि इस बाबत चार लोगों को हिरासत में लिया गया है जबकि इस दौरान नौ अपहृत व्यक्तियों को मुक्त करा लिया गया है। गौरतलब है कि मेक्सिकों में नशीले पदार्थों के व्यापार को लेकर विभिन्न आपराधिक गुटों के बीच संघर्ष होते हैं। पिछ्ले शनिवार को ही इन आपराधिक गतिविधियों का विरोध कर रहे मिचोआकान प्रांत के मेयर कार्लोस मांजों की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

नेपाल के राष्ट्रपति पौडेल ने दोहा में संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस से की मुलाकात

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने दोहा में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मुलाकात की। राष्ट्रपति पौडेल क़तार की राजधानी दोहा में दूसरे विश्व सामाजिक विकास शिखर सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे हैं, जो क़तरी अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के आमंत्रण पर मंगलवार से शुरू हुआ। इस सम्मेलन में राष्ट्रपति पौडेल नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव से कहा कि आपने जब एवरेस्ट बेस कैंप का दौरा किया था, तब देखा कि हमारी सफेद पर्वत चोटियां अब काली पड़ रही हैं। ये पर्वत एशिया के जल स्रोत हैं, लेकिन इनका तेजी से पिघलना पारिस्थितिक तंत्र और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की आजीविका के लिए खतरा बन गया है। राष्ट्रपति पौडेल ने आशा व्यक्त की कि यह शिखर सम्मेलन सामाजिक विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करेगा और 2030 के सतत विकास एजेंडा के कार्यान्वयन में तेजी लाएगा, साथ ही गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन और सामाजिक समावेशन जैसी चुनौतियों का समाधान करेगा। बैठक के दौरान राष्ट्रपति पौडेल ने कोपेनहेगन प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन और सामाजिक विकास को आगे बढ़ाने में संयुक्त राष्ट्र महासचिव की निरंतर भूमिका की सराहना की। उन्होंने शांति, सामाजिक न्याय और सतत विकास जैसे साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के साथ निकटता से काम करने की नेपाल की तत्परता दोहराई। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल में नई **सरकार का गठन हुआ है।**

नेपाल में हिंसा भड़काने के प्रयास में निकोलस भुसाल को पुलिस ने किया गिरफ्तार

काठमांडू। सोशल मीडिया के माध्यम से नेपाल में हिंसा भड़काने के प्रयास में कुछ समय से निगरानी में चल रहे डॉ. निकोलस भुसाल को पुलिस ने गिरफ्तार आकर लिया। काठमांडू के अपराध अनुसंधान कार्यालय की एक टीम ने उन्हें गोरखा से हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पिछ्ले आयोजित पत्रकार सम्मेलन में भुसाल ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को 'हत्यारा' कहते हुए उनके घरों में आग लगाने की धमकी दी थी। भुसाल ने चेतावनी दी थी कि यदि सरकार 8-9 सितम्बर के आंदोलन में शामिल लोगों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करती है, तो उनका समूह खुद ही कदम उठाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के खिलाफ भी अपमानजनक टिप्पणी की थी। उन्हें अयोग्य बताते हुए आरोप लगाया था कि सरकार प्रदर्शनकारियों पर दमन करने वालों की रक्षा कर रही है। इससे पहले 9 अक्टूबर को भुसाल को माइतीघर में एक प्रदर्शन आयोजित करने के प्रयास के दौरान संक्षिप्त रूप से हिरासत में लिया गया था। बाद में जारी मेडिकल रिपोर्ट में उनके शरीर में क्यानाबिस (गांजा) के सेवन के प्रमाण मिले, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें पुनर्वास केन्द्र भेज दिया था। भुसाल की यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है, जब कुछ दिन पहले ही उन्होंने सरकार को गिरफ्तार करने की खुली चुनौती दी थी। उन्होंने 5 मार्च को कार्यपालिका प्रमुख के प्रत्यक्ष निर्वाचन की मांग दोहराते हुए समर्थकों से दो दिन पहले माइतीघर मण्डला में प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया था।

अमेरिका में लुइसविले हवाई अड्डे के पास यूपीएस का कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका में चालक दल के तीन सदस्यों वाला यूपीएस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) के अनुसार, यूपीएस (एमडी-11) विमान लुइसविले के केंटकी हवाई अड्डे के पास उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एफएए ने राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) के साथ मिलकर इस दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यूपीएस (उड़ान संख्या-2976) विमान स्थानीय समयानुसार शाम पांच बजे के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान होनोलूलू के डैनियल के. इनौये अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। एफएए ने कहा कि एनटीएसबी जांच का नेतृत्व करेगा। यूपीएस के बयान के अनुसार, विमान में चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। फिलहाल

किसी ने भी इनके घायल या हताहत होने की पुष्टि नहीं की है। लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग (एलएमपीडी) और अन्य एजेंसियां दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचीं हैं। एलएमपीडी ने एक्स पोस्ट में कहा कि कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है। सीएनएन के अनुसार, वीडियो फुटेज में लुइसविले मोहम्मद अली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टरमैक से कुछ ही दूरी पर धुएं का एक विशाल गुबार उठ रहा है। यह हवाई अड्डा यूपीएस के लिए काफी अहम है। यूपीएस के अनुसार, कंपनी का वर्ल्डपोर्ट 50 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला है। यहां 12,000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। पुलिस ने बताया कि हवाई अड्डे के पांच मील के दायरे को सील कर दिया गया ह। स्टूजेस और क्रिटेंडेन के बीच ग्रेड लेन अनिश्चितकाल के लिए बंद रहेगी। मैकडॉनेल डगलस एमडी-11एफ मालवाहक विमान है। इसका निर्माण मूल रूप से मैकडॉनेल डगलस और बाद में बोइंग ने किया। इस विमान का इस्तेमाल मुख्य रूप से फेडेक्स एक्सप्रेस, लुफ्थांसा कार्गो और यूपीएस एयरलाइंस माल ढुलाई के लिए करती हैं। दुर्घटनाग्रस्त विमान को 1991 में बनाया गया था। मैकडॉनेल डगलस को खरीदने वाली बोइंग के अनुसार, यह विमान अधिकतम 633,000 पाउंड वजन का और 38,000 गैलन से अधिक ईंधन ले जाने में सक्षम है।

नेपाल हिमस्खलन में लापता 15 पर्वतारोहियों में से पांच बचाए गए, सात अब भी लापता

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल के दोलखा जिले के यलुंग री में सोमवार को सुबह हिमस्खलन में लापता हुए 15 पर्वतारोहियों में से पांच लोगों को हेलीकॉप्टर की मदद से बचा लिया गया है, जबकि सात अन्य अब भी लापता हैं। तीन पर्वतारोही के शव कल ही बरामद किये जा चुके हैं। दोलखा जिले के मुख्य जिल्ला अधिकारी नारायण प्रसाद रिजाल के अनुसार बचाए गए पर्वतारोहियों को यलूंग री के बेस कैंप से एयरलिफ्ट किया गया। तीन अन्य नेपाली गाइड हिमस्खलन से किसी तरह बच निकले, जो एक गांव में शरण लेकर सुरक्षित निकासी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हिमस्खलन

सोमवार तड़के उस कैंपसाइट पर हुआ, जहां दो ट्रैवल कंपनियों से जुड़े 15 विदेशी पर्वतारोही डोल्मा खांग और यलूंग री पर्वत के अभियान के लिए डेरा डाले हुए थे। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि लापता पर्वतारोहियों की स्थिति के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। जिला प्रहरी कार्यालय के डीएसपी ज्ञान कुमार महतो के अनुसार नेपाली सेना और अन्य सुरक्षा निकायों की संयुक्त टोली को घटनास्थल पर भेजा गया है, ताकि खोज एवं बचाव कार्यों में सहायता की जा सके।

डेमोक्रेट एबिगेल स्पैनबर्गर होंगी वर्जीनिया की पहली महिला गवर्नर

एजेंसी
वाशिंगटन। डेमोक्रेट एबिगेल स्पैनबर्गर वर्जीनिया की पहली महिला गवर्नर होंगी। वह आधिकारिक रूप से चुनाव जीत गई हैं। उन्हें रिपब्लिकन विनसम अर्ल-सियर्स से चुनाव में कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा। स्पैनबर्गर की जीत वर्जीनिया के राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण क्षण है। इस चुनाव को राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के लिए एक जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है।

द वाशिंगटन पोस्ट और द हिल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, स्पैनबर्गर ने वर्जीनिया में गवर्नर पद का चुनाव आधिकारिक रूप से जीत लिया। वर्जीनिया के मतदान केंद्र मंगलवार शाम बंद हो गए। इसके बाद मतों की गिनती शुरू हुई। मतदान से एक दिन पहले चुनाव प्रचार में दोनों दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में पूरी ताकत झोंक दी। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने स्पैनबर्गर और अन्य डेमोक्रेट्स के समर्थन में नॉरफॉक में नजर आए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोमवार रात राज्य के रिपब्लिकन

समर्थकों के साथ एक टेलीफोनिक संवाद किया। सभी से रिपब्लिकन उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष केन मार्टिन ने सोमवार को विलियम्सबर्ग में कार्यकर्ताओं से कहा, हम इसलिए जीतेंगे क्योंकि हमारे पास ऐसे महान उम्मीदवार हैं जो लोगों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व सीआईए अधिकारी और अमेरिकी कांग्रेस सदस्य स्पैनबर्गर ने शिक्षा, आर्थिक और लोकतंत्र की रक्षा जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ा। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, स्पैनबर्गर ने रिचमंड में विजयी भाषण में कहा कि वर्जीनिया ने पक्षपात के बजाय व्यावहारिकता और अराजकता के बजाय सभ्य समाज को चुना।

कैमरून में चुनावी हिंसा के बीच सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 48 लोगों की मौत

एजेंसी
डकार। कैमरून में राष्ट्रपति पॉल बिया के पुनर्निर्वाचन के बाद भड़की हिंसा के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 48 नागरिकों की मौत हुई है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के दो सूत्रों ने रॉयटर्स को दी। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, अधिकांश लोगों की मौत सुरक्षा बलों की गोलीबारी में हुई, जबकि कुछ प्रदर्शनकारियों की मौत लाठी और डंडों से की गई पिटाई के कारण हुई चोटों से हुई। सरकार की ओर से अब तक मृतकों की कोई आधिकारिक संख्या जारी नहीं की गई है और न ही किसी सरकारी प्रवक्ता ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रपति पॉल बिया, जो 1982 से सत्ता में हैं और दुनिया के सबसे उम्रदराज़ शासनाध्यक्षों में से एक हैं, को हालिया चुनाव में 53.66फीसदी वोट मिले, जबकि विपक्षी उम्मीदवार इसा चिरोमा बकारी को 35.19फीसदी वोट प्राप्त हुए। बकारी ने चुनाव के तुरंत बाद स्वयं को विजेता घोषित किया, जिसके बाद देशभर में प्रदर्शन भड़क उठे।

मानवाधिकार संगठन 'स्टैंड अप फॉर कैमरून' ने पिछले सप्ताह

बताया था कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम 23 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के ताज़ा आंकड़ों ने इस संख्या को 48 तक बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग आधी मौतें लिटोरल क्षेत्र में हुईं, जिसमें डौआला बंदरगाह शहर शामिल है, जहां चुनाव परिणामों के खिलाफ सबसे ज्यादा विरोध प्रदर्शन हुए। इसके अलावा तीन जेंडार्म (सुरक्षा कर्मी) की भी मौत हुई है। उत्तर क्षेत्र (नॉर्थ रीजन), जिसकी राजधानी गरोआ है और जो विपक्षी नेता बकारी का गृह नगर भी है, वहां 10 मौतें दर्ज की गईं। हालांकि, इस सप्ताह विरोध प्रदर्शन कम हो गए हैं। बकारी ने सोमवार से शुरू होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय बंद का आह्वान किया था, जिसमें समर्थकों से कहा गया कि वे चुनाव परिणामों के विरोध में घर पर रहकर गतिविधियां बंद रखें।

प्रधानमंत्री मोदी का 'बहुत सम्मान' करते हैं राष्ट्रपति ट्रंप - व्हाइट हाउस

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने बताया कि ट्रंप और मोदी के बीच अक्सर बातचीत होती रहती है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर बहुत सकारात्मक हैं और उन्हें दोनों देशों के बीच के रिश्तों पर गहरा विश्वास है। उन्होंने बताया कि ट्रंप और पीएम मोदी कई मुद्दों पर सीधी बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मोदी का बहुत सम्मान करते हैं और वे अक्सर बातचीत करते हैं।' लेविट ने हाल ही में व्हाइट हाउस में मनाई गई दीपावली और सर्जियो गोर को अमेरिका के नए भारत राजदूत के रूप में नियुक्त किए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह सब ट्रंप के भारत के साथ मजबूत रिश्ते की इच्छा को

दिखाता है, जो द्विपक्षीय संबंधों को लेकर 'काफी सकारात्मक और दृढ़' हैं। पिछले महीने, राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में खास दीपावली कार्यक्रम आयोजित किया था। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक महान व्यक्ति बताया और कहा कि उन्हें भारत के लोगों से बहुत प्रेम है।

इस कार्यक्रम में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा, सर्जियो गोर, एफबीआई निदेशक काश पटेल और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गैबार्ड सहित कई भारतीय मूल के प्रमुख व्यवसायी भी शामिल थे। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दीप जलाया और इसे 'अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक' बताया। उन्होंने भारत के लोगों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी। लेविट ने यह भी बताया कि व्यापार से जुड़े मुद्दों पर भी ट्रंप सरकार और भारत के बीच गंभीर चर्चा जारी है। दोनों देशों की टीमें इस विषय पर लगातार बातचीत कर रही हैं।

बता दें कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक संबंध हाल में उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं, जिसमें ट्रंप द्वारा भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाने से लेकर रूस से तेल खरीदने को लेकर दोनों देशों के विभिन्न नजरिए जैसी चीजें शामिल रही हैं।

अमेरिका में 35वें दिन भी सरकारी शटडाउन जारी, स्पीकर माइक जॉनसन ने दिवंगत डिक चेनी को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी
वॉशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत अमेरिका के दिवंगत पूर्व उपराष्ट्रपति डिक चेनी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं, डिक चेनी ने उपराष्ट्रपति, रक्षा सचिव और वायोमिंग से सांसद के रूप में सेवा दी। वह अमेरिकी इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति के सबसे कम उम्र के चीफ ऑफ स्टाफ भी रहे। उनके योगदान को सम्मानित करना हमारा कर्तव्य है, और हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।' इसके बाद ट्रंप प्रशासन की श्रम सचिव लॉरी चावेज-डेरीमर ने शटडाउन पर बात करते हुए डेमोक्रेट्स पर राजनीतिक खेल खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'मैं डेमोक्रेट्स से आग्रह करती हूं कि वे आएं, अपना काम करें और सरकार को दोबारा खोलें। 35 दिन बहुत ज्यादा हैं - अमेरिकी जनता अब और इंतजार नहीं कर सकती।' स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि रिपब्लिकन अब सीनेट में मौजूद मध्यमार्गी डेमोक्रेट्स से सीधे अपील कर रहे हैं ताकि वे देश को इस संकट से निकालने में मदद करें। उन्होंने कहा, 'हमें नहीं लगता कि चक शूमर या हकीम जेफ्रीज सरकार को दोबारा खोलने के लिए वोट करेंगे। इसलिए हम उन कुछ डेमोक्रेट्स से उम्मीद कर रहे हैं, जिनके अंदर अब भी देश के हित के लिए निर्णय लेने की भावना बाकी है।' श्रम सचिव लॉरी चावेज-डेरीमर ने कहा कि जैसे-जैसे शटडाउन लंबा खिंचता जा रहा है, अब बेरोजगारी बीमा पर भी खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी कामगारों को यह जानने का अधिकार है कि उनका अगला वेतन कब मिलेगा।

नेपाल और भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सात-सूत्री योजना पर सहमति

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल और भारत ने द्विपक्षीय ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सात बिंदुओं पर एक समझौता किया है, जिसमें बिजली के आदान-प्रदान और सीमा-पार ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार को शामिल किया गया है।

यह समझौता 3 और 4 नवम्बर को पोखरा में आयोजित नेपाल-भारत ऊर्जा सहयोग पर संयुक्त तकनीकी टीम की 17वीं बैठक के दौरान अंतिम रूप से तय किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता नेपाल के ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय के सह-सचिव संदीप कुमार देव और भारत के केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के मुख्य अभियन्ता भगवान सहाय भैरव ने की। मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने बिजली के आदान-प्रदान, ट्रांसमिशन प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा नई सीमा-पार ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण पर विस्तृत चर्चा के बाद सात प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनाई। मुख्य समझौते

1. चमेलिया-जौलजीबी 220 केवी ट्रांसमिशन लाइनः

दोनों पक्षों ने अपने-अपने विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (छ्क्क्र) प्रस्तुत किए। संयुक्त छ्क्क्र नवंबर 2025 तक पूरा किया जाएगा और परियोजना दिसंबर 2027 तक सम्पन्न करने का लक्ष्य रखा गया है।

2. बुटवल-गोरखपुर 400 केवी लाइनः

इस नई लाइन को अस्थायी रूप से 220 केवी पर संचालित करने का निर्णय हुआ है। इसके साथ ही, विद्युत् आदान-प्रदान क्षमता को अंतिम रूप देने के लिए उत्तर प्रदेश ट्रांसमिशन कम्पनी के साथ 15 दिनों के भीतर पुनः बैठक की जाएगी।

3. धलकेबर-मुजफ्फरपुर और धनकेबर-सीतामढ़ी लाइन की क्षमता समीक्षाः

समीक्षा के बाद यह निर्धारित किया गया कि नेपाल इन लाइनों के माध्यम से अधिकतम 1,500 मेगावाट बिजली निर्यात और 1,400 मेगावाट आयात कर सकता है।

4. निजगढ-मोतीहारी 400 केवी लाइनःइस परियोजना का DPR तैयार करने के लिए नेपाल एक माह के भीतर आवश्यक तकनीकी विवरण भारत को उपलब्ध कराएगा। यह लाइन संयुक्त रूप से विकसित की जाएगी।

5. लमही-लखनऊ 400 केवी लाइनः

दोनों पक्षों ने यह तय किया कि DPR तैयार करने से पहले इस प्रस्तावित लाइन का नेपाली पक्ष पर अंतिम बिंदु – लमही या कोहलपुर – संयुक्त रूप से तय किया जाएगा।

6. HTLS प्रौद्योगिकी का उपयोगः

दोनों देशों ने सहमति दी कि धलकेबर-मुजफ्फरपुर 400 केवी लाइन के पुनर्निर्माण में हाई-टेम्परेचर लो-सैग (HTLS) तकनीक का उपयोग किया जाएगा ताकि उच्च तापमान की स्थिति में भी इसका प्रदर्शन बेहतर रहे।

मामदानी की ऐतिहासिक जीतः न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर बने जोहरान मामदानी

एजेंसी
न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के मेयर चुनावों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोहरान मामदानी ने स्वतंत्र उम्मीदवार एंड्र्यू क्यूमो को करारी शिकस्त देकर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। न्यूयॉर्क प्रांतीय असेंबली के सदस्य और डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट 34 वर्षीय मामदानी, शहर के पहले मुस्लिम और दक्षिण एशियाई मूल के मेयर बन गए हैं ।मामदानी के माता पिता मूल रूप से युगांडा से हैं। वाशिंगटन पोस्ट के अनुमान के अनुसार, मामदानी को 52फीसदी से अधिक वोट मिले हैं, जबकि क्यूमो 45फीसदी पर ही सिमट गए हैं। मामदानी का शपथ ग्रहण समारोह अगले साल जनवरी में होगा। मीडिया खबरों के मुताबिक चुनाव परिणामों के अनुसार, मामदानी ने प्रारंभिक चुनाव में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए क्यूमो पर लगभग उतने ही अंतर से जीत हासिल की, लेकिन अश्वेत और हिस्पैनिक समुदायों में उनकी लोकप्रियता ने उन्हें अतिरिक्त बढ़त प्रदान की। मामदानी 1892 के बाद से शहर के सबसे युवा मेयर होंगे।

इस बीच मामदानी ने जीत की आधिकारिक घोषणा करते हुए अपने समर्थकों से कहा, 'यह जीत न्यूयॉर्क के पुनर्जन्म की शुरुआत है। हम एक ऐसे शहर का निर्माण करेंगे जहां हर आवाज सुनी जाए, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि की हो।' उनका चुनावी अभियान सामाजिक न्याय, आवास सुधार और जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित था, जिसने युवा मतदाताओं और अल्पसंख्यक समुदायों को आकर्षित किया। अमेरिका के रिपब्लिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव में अपनी ओर से मामदानी के खिलाफ जोर लगा रखा था। पूर्व राष्ट्रपति डेमोक्रेट बराक ओबामा ने मामदानी की जीत का स्वागत किया है और उन्हें बधाई भी दी है।

कालमेघी तूफानः फिलीपीन्स में मौतों का आंकड़ा 66 तक पहुंचा

एजेंसी
मनीला। उष्णकटिबंधीय तूफान 'कालमेघी' के कारण फिलीपीन्स में भारी बारिश और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 66 हो गई है। इस तूफान के यहां पहुंचने के बाद तेज बारिश और बाढ़ से भारी तबाही मची हुई है, जिससे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमसी) के अनुसार, उत्तरी लुजॉन क्षेत्र इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां भूस्खलन और नदियों का उफान के चपेट में कई गांवों के आने की खबरे हैं। प्रारंभिक सरकारी आंकड़ों में 50 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी लेकिन राहत अभियानों के दौरान और शव मिलने से यह संख्या अब 66 हो गई है।

खबरों के मुताबिक सैकड़ों लोग अभी भी लापता बताए गए हैं, जबकि 20 लाख से ज्यादा को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रभावित इलाकों में बिजली-पानी की आपूर्ति बाधित है और सड़कें मलबे के अवरूद्ध हैं। खबरों के मुताबिक इस तूफान की हवाओं की रफ्तार 150 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक थी, जिस कारण इसे 'श्रेणी' तीन में रखा गया था। इस बीच मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में क्षेत्र में और ज्यादा बारिश होने का अनुमान है, जिससे बाढ़ की स्थिति के बिगड़ने की आशंका है।

भारत और बांग्लादेश से आव्रजन रोकने के लिए 'अस्थायी' वीजा रद्द करने की तैयारी में कनाडा

एजेंसी
ओटावा। कनाडा ने भारत और बांग्लादेश से आव्रजन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों की रिपोर्टों को देखते हुए 'अस्थायी' वीजा रद्द करने के अधिकार हासिल करने के लिए 'कानूनी रास्ता' तलाशने का फैसला किया है। अमेरिकी चैनल सीबीएस न्यूज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार उसे कनाडा सरकार के ऐसे 'आंतरिक' दस्तावेज़ मिले हैं जिनमें कहा गया है कि सरकार, भारत और बांग्लादेश से धोखाधड़ी की आशंकाओं के कारण, अस्थायी वीज़ा धारकों के समूहों के आवेदन रद्द करने का अधिकार प्राप्त करना चाहती है। आव्रजन मंत्रालय में एक विभागीय प्रस्तुति में कहा गया है कि आप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता कनाडा (आईआरसीसी), कनाडा सीमा सेवा एजेंसी (सीबीएसए) और अज्ञात अमेरिकी सहयोगी फर्जी आगंतुक वीज़ा आवेदनों की पहचान करके उन्हें रद्द करने की योजना बना रहे हैं।

प्रस्तुति के अनुसार, कनाडाई संस्थाओं और अमेरिकी सहयोगियों ने वीज़ा अस्वीकार करने और रद्द करने के लिए अधिकारियों को अधिकृत करने के लिए एक कार्य समूह का गठन किया है, जिसमें भारत और बांग्लादेश को विशिष्ट चुनौतियों वाले देश के रूप में चिन्हित किया गया है। दस्तावेज के एक खंड में बताया गया है कि 'सामूहिक तौर पर वीजा रद्द करने संबंधी' शक्तियों का उपयोग कैसे किया जा सकता है। इसमें महामारी, युद्ध और देश-विशिष्ट वीज़ा धारकों जैसे काल्पनिक परिदृश्यों को सूचीबद्ध किया गया है। हालांकि सार्वजनिक रूप से, कनाडा की आव्रजन मंत्री लीना दियाब ने महामारी या युद्ध को सरकार द्वारा इन शक्तियों की मांग का कारण बताया है, लेकिन उन्होंने देश-विशिष्ट वीज़ा धारकों का उल्लेख नहीं किया है।

यह प्रावधान संसद में सरकार के व्यापक सीमा कानून, बिल सी-2 के हिस्से के रूप में पेश किया गया था। तब से, इस विधेयक को दो भागों में विभाजित कर दिया गया है, जिसमें सामूहिक वीज़ा रद्दीकरण को सी-12 में शामिल कर दिया गया है, जिसे सरकार जल्द ही पारित कराने की उम्मीद कर रही है। इस बीच देश में 300 से ज़्यादा नागरिक समाज समूहों ने इस कानून पर चिंता जताई है। प्रवासी अधिकार नेटवर्क, का कहना है कि सामूहिक वीज़ा रद्दीकरण से सरकार को सामूहिक निर्वासन मशीन स्थापित करने की क्षमता मिल जाएगी। आव्रजन वकीलों ने यह भी सवाल उठाया है कि क्या सामूहिक वीज़ा रद्दीकरण की यह क्षमता संघीय सरकार को अपने बढ़ते आवेदनों के लंबित मामलों को कम करने की अनुमति देने के लिए मांगी जा रही है।

दस्तावेज़ में कहा गया है कि भारतीय नागरिकों द्वारा शरण के दावे मई 2023 में प्रति माह 500 से भी कम थे लेकिन अब वे जुलाई 2024 तक बढ़कर लगभग 2,000 हो गए हैं। प्रस्तुति में कहा गया है कि भारत से अस्थायी निवासी वीज़ा आवेदनों का सत्यापन आवेदन प्रक्रिया को धीमा कर देता है। इस में यह भी कहा गया है कि जुलाई 2023 के अंत में प्रसंस्करण समय औसतन 30 दिनों से बढ़कर एक साल बाद 54 दिन हो गया। इसके मुताबिक 2024 में अनुमोदनों में भी गिरावट शुरू हो गई क्योंकि इसने सत्यापन के लिए अधिक लंबी कार्यप्रणाली अपनाई। हालांकि दस्तावेज़ में बांग्लादेश के दावों के बारे में कोई डेटा नहीं दिया गया था। पिछले महीने, आईआरसीसी ने सीबीसी न्यूज़ को एक बयान में बताया कि नई शक्तियों का प्रस्ताव किसी विशिष्ट समूह या स्थिति को ध्यान में रखकर नहीं किया जा रहा है, और निर्णय एकतरफा नहीं लिए जाएँगे। अक्टूबर 2024 में तत्कालीन आव्रजन मंत्री मार्क मिलर को सौंपे एक ज्ञापन, में उनसे आग्रह किया गया था कि वह विभाग को किसी भी देश का नाम लिए बिना अतिरिक्त वीज़ा रद्द करने की शक्तियाँ प्रदान करने के लिए दबाव डालें। इसमें कहा गया है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/5/2025 10:03 PM Page 2

भारत में कृषि शिक्षा और प्रशिक्षण: विकसित भारत की नई जड़ें

लेखक- चंदर मोहन शर्मा

कृषि भारत की आत्मा है। यह न केवल देश की लगभग आधी आबादी को रोज़गार प्रदान करती है, बल्कि भारत के आर्थिक ढांचे का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी है। समय के साथ खेती का स्वरूप बदल रहा है—परंपरागत कृषि से आधुनिक, तकनीक-संचालित कृषि की ओर। इस बदलाव के केंद्र में हैं कृषि शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण, जो किसानों और ग्रामीण युवाओं को न केवल नई तकनीक अपनाने में सक्षम बनाते हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाते हैं।

कृषि शिक्षा का नया परिदृश्य

कृषि शिक्षा अब सिर्फ बीज बोने और फसल काटने तक सीमित नहीं रह गई है। यह एक व्यापक प्रणाली बन चुकी है, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक प्रौद्योगिकी, बाजार ज्ञान और पर्यावरणीय समझ को जोड़ दिया गया है।

देश में कृषि शिक्षा के विकास की अगुवाई भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) कर रहा है, जिसकी स्थापना 1929 में की गई थी। यह संस्था देशभर के 113 राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों और 74 कृषि विश्वविद्यालयों को जोड़ती है — जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा कृषि अनुसंधान नेटवर्क बनाते हैं।

आईसीएआर ने शिक्षा और अनुसंधान के साथ-साथ कृषि विस्तार पर भी जोर दिया है, ताकि प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीक सीधे किसानों तक पहुंच सके। इसके लिए देशभर में 731 कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) स्थापित किए गए हैं, जहां लाखों किसानों को नई तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

कृषि विश्वविद्यालय- क्षेत्रीय ज़रूरतों के अनुरूप विकास

भारत में आज 63 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, तीन केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय और चार मानद विश्वविद्यालय कार्यरत हैं। ये विश्वविद्यालय स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अध्ययन और अनुसंधान को आगे बढ़ाते हैं।

जैसे डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (बिहार), जो आठ कॉलेजों के माध्यम से कृषि, बागवानी, मत्स्य, सामुदायिक विज्ञान और कृषि व्यवसाय के क्षेत्र में शिक्षा दे रहा है। इसी तरह केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल (मणिपुर) पूर्वोत्तर के सात राज्यों की कृषि आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है, जबकि रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी (उत्तर प्रदेश) बुंदेलखंड जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों से खेती में नवाचार ला रहा है।

इन विश्वविद्यालयों में स्नातक से लेकर पीएचडी तक के कोर्स चल रहे हैं। साथ ही, नई शिक्षा नीति के तहत अब अल्पकालिक प्रमाणपत्र और डिप्लोमा कार्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं, ताकि युवा सीधे उद्योगों और कृषि-व्यवसाय से जुड़ सकें।

कृषि में डिजिटल क्रांति- एआई और आईओटी की भूमिका

आज का किसान सिर्फ खेत का मजदूर नहीं, बल्कि तकनीक से लैस एक प्रबंधक बन चुका है। सरकार कृषि में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उपयोग को तेजी से बढ़ावा दे रही है।

ड्रोन से छिड़काव, सेंसर-आधारित सिंचाई, एआई-आधारित कीट पहचान, रिमोट सेंसिंग और डेटा विश्लेषण जैसी तकनीकें खेती को स्मार्ट एग्रीकल्चर में बदल रही हैं।

आईआईटी रोपड़, आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी खड़गपुर जैसे संस्थानों ने कृषि में एआई और IoT के अनुप्रयोगों पर विशेष केंद्र स्थापित किए हैं। ये केंद्र फसल स्वास्थ्य पूर्वानुमान, जलवायु जोखिम विश्लेषण और उत्पादन बढ़ाने के लिए नई तकनीकें विकसित कर रहे हैं।

इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय ने विशाखापत्तनम, गुरुग्राम और गांधीनगर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन ड्रोन्स की स्थापना की है, जो कृषि स्टार्टअप्स और उद्योगों को जोड़कर नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं।

स्टार्टअप और एफपीओ- ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

कृषि अब नवाचार और स्टार्टअप का नया केंद्र बन रही है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत शुरू किया गया नवाचार और कृषि उद्यमिता विकास कार्यक्रम नए कृषि स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। ये स्टार्टअप खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, डिजिटल कृषि और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

साथ ही, सरकार ने 10,000 से अधिक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) स्थापित किए हैं। ये संगठन छोटे किसानों को एकजुट कर बाजार तक सीधी पहुंच प्रदान कर रहे हैं और उन्हें कृषि-व्यवसाय में दक्ष बना रहे हैं।

साझा लक्ष्य- आत्मनिर्भर किसान, समृद्ध भारत

भारत की कृषि शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणाली अब एक समन्वित ढांचा बन चुकी है—जहां शिक्षा, अनुसंधान, तकनीक और प्रशिक्षण चारों एक साथ चलते हैं।

आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालयों, केवीके और एटीएमए जैसी संस्थाओं ने एक एक राष्ट्र - एक कृषि - एक टीम की भावना के तहत मिलकर किसानों को सशक्त बनाने का बीड़ा उठाया है।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा-आधारित निर्णय लेने जैसी तकनीकें भारतीय खेती को अधिक उत्पादक, टिकाऊ और आधुनिक बना रही हैं। दूसरी ओर, प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं।

कृषि शिक्षा में हो रहा यह परिवर्तन न केवल फसल उपज बढ़ा रहा है, बल्कि एक विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस कदम साबित हो रहा है। जब किसान शिक्षित, प्रशिक्षित और तकनीक-सक्षम होगा, तभी भारत सच में विकसित कृषि, समृद्ध किसान के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा।

(संकलित- भारत में कृषि शिक्षा एवं प्रशिक्षण - स्पष्टीकरण, पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), जम्मू)

कौशल और प्रशिक्षण किसान से उद्यमी तक

किसान अब सिर्फ उत्पादक नहीं, बल्कि उद्यमी भी है। यही कारण है कि सरकार किसानों और ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दे रही है।

कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) हर साल लाखों किसानों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। वर्ष 2021-22 से 2023-24 के बीच इन केंद्रों ने लगभग 58 लाख किसानों को प्रशिक्षित किया, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है।

इसी तरह कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) योजना ने 2021 से 2025 के बीच 1.27 करोड़ किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। यह योजना विकेंद्रीकृत कृषि विस्तार को मजबूत करती है और किसानों को स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए तैयार करती है।

ग्रामीण युवाओं का कौशल प्रशिक्षण (एसटीआरवाई) कार्यक्रम ने 2021 से अब तक 50,000 से अधिक युवाओं को बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन और कृषि मशीनरी जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया है। इससे ग्रामीण इलाकों में स्वरोजगार और उद्यमिता को बल मिला है।

इसके अलावा कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन (एसएमएएम) के तहत 57,000 से अधिक किसानों को कृषि मशीनों के कुशल उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना ने 25 करोड़ से अधिक किसानों को संतुलित उर्वरक प्रयोग की जानकारी देकर मिट्टी की उत्पादकता बढ़ाने में मदद की है।

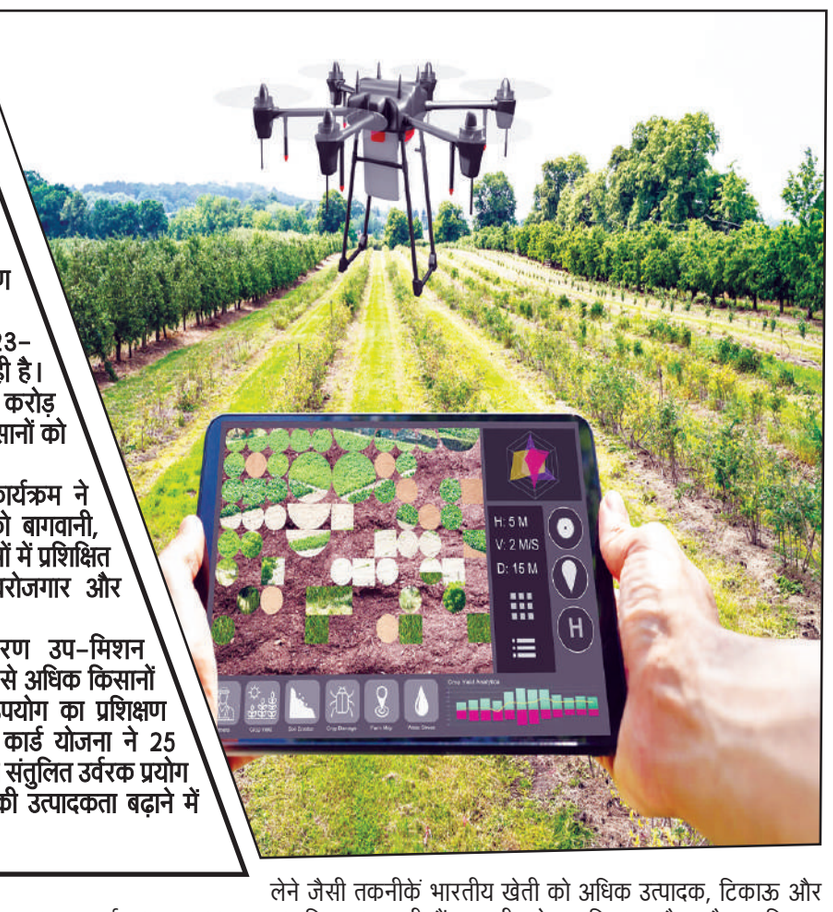

सब्जी उत्पादन, आधुनिक बागवानी में पॉलीहाउस का महत्वपूर्ण योगदान

सब्जी उत्पादन और आधुनिक बागवानी में पॉलीहाउस का महत्वपूर्ण योगदान है। यदि किसान कुछ विशेष सावधानियों को ध्यान में रखें तो इसमें बेमौसमी सब्जियों की खेती एक वरदान के रूप में सिद्ध हो सकती है। पॉलीहाउस में आमतौर पर सभी सब्जियों को उगाया जा सकता है, किन्तु सब्जियों का चयन पौधों की ऊंचाई, मौसम, सब्जी तैयार होने का समय, उत्पादन लागत एवं बाजार भाव को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

इसके लिए ज्यादातर उन सब्जियों को चुनें जो कम जगह घेरती हों और उनका बाजार भाव ज्यादा मिलता हो। पॉलीहाउस में उगाने के लिये निम्न सब्जियां उपयुक्त रहती हैं, जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा, खरबूजा, लौकी, गोभी, बैंगन, फ्रेंचबीन, करेला, चप्पनकद्दू और तरबूज आदि प्रमुख है।

पॉलीहाउस बनाने की विधि

ढांचे की बनावट के आधार पर पॉलीहाउस कई प्रकार के होते हैं। पॉलीहाउस बनाने के लिये बांस की खपच्ची, बांस, जी आई पाइप, आयरन एंगल, सुतली आदि का प्रयोग ढांचा बनाने के लिये किया जाता है और इसे 150 से 200 माइक्रोन मोटी पॉलीथीन से ढंका जाता है। पॉलीथीन शीट का पराबैंगनी होना जरूरी होता है। सूर्य का प्रकाश पारदर्शी पॉलीथीन से पॉलीहाउस के अन्दर पहुंचता है, किन्तु विकिरण से पुन: वायुमण्डल में प्रवेश न कर पाने के कारण वह पॉलीहाउस का तापमान बढ़ाने में सहायक होता है। किसानों के लिये कम लागत के पॉलीहाउस उपयुक्त होते हैं और विभिन्न राज्यों की सरकारों द्वारा इन पर बागवानी मिशन के तहत 50 तक प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

कम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा बांस की खपच्चियों तथा सुतली की सहायता से बनाया जाता है। इस प्रकार के पॉलीहाउस में कोई भी यंत्र वातावरण का नियंत्रण करने के लिये नहीं लगाया जाता एवं ऐसे पॉलीहाउस मैदानी क्षेत्रों के लिये सर्दी की ऋतु में प्रयोग किये जा सकते हैं।

मध्यम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा प्राय: लोहे के पाइप या जी आई पाइप द्वारा बनाया जाता है। इसमें कूलर, छाया देने वाले जाल, पानी के फव्वारे तथा गर्म हवा फेंकने वाले ब्लोअर का इस्तेमाल होता है। इस में वातावरण को अर्धनियंत्रित किया जा सकता है।

अधिक लागत के आधुनिक पॉलीहाउस- ये ग्रीन हाउस मध्यम लागत वाले पॉलीहाउस से काफी बड़े आकार के होते हैं। इसमें वातावरण का नियंत्रण आधुनिक यंत्रों द्वारा किया जाता है, जिसको कम्प्यूटर प्रणाली द्वारा संचालित किया जाता है और सिंचाई ड्रिप प्रणाली द्वारा की जाती है।

पॉलीहाउस तकनीक के उपयोग

1. विपरीत मौसम यानी बेमौसमी सब्जियों की नर्सरी तैयार की जा सकती है तथा कम समय में नर्सरी तैयार होती है।

2. ये संरचनाएं सब्जियों को ठण्ड, पाला, गर्मी और हवा से बचाती हैं।

3. सब्जियों की अगेती पौध तैयार करने में सहायक जिससे अगेती फसल लेकर ज्यादा भाव में बाजार में बेचा जा सकता है।

4. अधिक मूल्य वाली सब्जियों का उत्पादन करना संभव।

5. बेमौसमी सब्जी उत्पादन-खीरा, शिमला मिर्च, टमाटर का वर्ष भर उत्पादन किया जा सकता है।

6. सब्जियों के उत्पादन और उत्पादकता में बढोतरी संभव।

I. सब्जियों की गुणवत्ता बढ़ती है।

8. कीड़ों और बीमारियों की रोकथाम आसानी से की जा सकती है।

9. सब्जियों की मोनोक्रापिंग को बढ़ाना यानी साल में कई बार फसल उगा सकते है, जिससे क्रापिंग इन्टेंसिटी बढ़ती है।

पॉलीहाउस में सब्जी उत्पादन के लिए सब्जियों की उन्नत किस्में

टमाटर- पंत टी- 3, डी टी एच- I, अविनाश- 2, डी ए आर एल- 304, एच वाई बी- 99, के-126, एन पी- 5002 और नवीन प्रमुख है।

शिमला मिर्च- केलिफोर्निया वंडर, अलंकार, भारत इन्दिरा, गोल्डन समर, हीरा, बाम्बी, ओरोबेली, तनवी और जैमिनी आदि प्रमुख है।

खीरा- जापानीज लौंग, ग्रीन, पूसा संयोग, प्वाइनसेट, रानी, फूले पराची और कसन आदि प्रमुख है।

खरबूजा- पंजाब संकर- 1और दिसी आदि।

फ्रेंचबीन- पंत अनुपमा और पंतबीन-2, पूसा पार्वती कंटेण्डर आदि प्रमुख है।

करेला- पूसा दौ मौसमी और पूसा विशेष आदि प्रमुख है।

बैंगन- पूसा हाईब्रिड- 5,6 और 9, पंत संकर, हिसार और श्यामल आदि प्रमुख है।

ग्रीन हाउस या पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी का विकास तेजी से होता है। इसमें सब्जियों की विपरीत मौसम में नर्सरी तैयार करके किसान अधिक लाभ ले सकते हैं। इसमें कम लागत वाले पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, बैंगन और बेलवाली सब्जियां जैसे- खीरा, लौकी, करेला, तोरई, चप्पन कद्दू एवं ककड़ी इत्यादि, की बेमौसमी अर्थात सर्दी में नर्सरी पौध तैयार करके एक दो महीने अगेती फसल ली जा सकती है, जिसके बाजार में बहुत अच्छे दाम मिलते हैं। इसके लिये बांस की खपच्ची, पोलीथीन शीट, सुतली से एक झोपड़ीनुमा ग्रीन हाउस बनाया जा सकता है और इसमें सब्जियों की पौध दिसम्बर से जनवरी में तैयार की जा सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

1. केवल उन्नत और संकर किस्में ही उगाएँ।

2. सही सब्जी की फसल और सही किस्म का चयन।

3. सब्जी की बिजाई से पहले पॉलीहाउस में गोबर की खाद डालकर अच्छी तरह मिला दें तथा जमीन को पांच प्रतिशत फोरमेलिन से उपचारित करें।

4. शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा आदि ज्यादा लाभदायक फसलें होती हैं।

पौध को प्रोपेगेशन ट्रे में तैयार करें

सब्जियों की पौध के लिये प्रोपेगेशन ट्रे जिसे प्रो ट्रे भी कहते हैं, का इस्तेमाल करें जो आमतौर पर 98 छेदों वाली होती है, इसमें कोकोपीट + परलेट + वर्मीकुलेट का 4:1:1 का मिश्रण लेकर ट्रे तैयार कर लें तथा बीज की बिजाई कर दें।

1. प्रत्येक बीज का बिना क्षति के अंकुरण।

2. जड़ों का पूरा विकास एवं निकालने एवं रोपाई में सुविधाजनक।

3. पौधों का विकास एक समान और स्वस्थ पौधों का तैयार होना

4. कम समय में पौध का तैयार होना।

5. पौध की बीमारियां कम।

6. कीट नियंत्रण सरलता से किया जा सकता है।

I. रोपाई उपरान्त कम मृत्युदर और पौधों का विकास जल्दी होना।